- 19th Year
- Issue: 238
- 03.01.2026 (SATURDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

दैनिक

कलिंग समाचार

The kalingasamachar

e-paper-www.thekalingasamachar.com

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

भारत में 10 मिनट डिलीवरी के खिलाफ हड़ताल, डिलीवरी कर्मचारियों का फूटा गुस्सा

०२/०१ (संवाददाता): नए साल की शुरुआत के साथ ही देशभर में ऐप-आधारित डिलीवरी कर्मचारियों का गुस्सा सड़कों पर दिखा। हजारों डिलीवरी पार्टनर्स ने काम बंद कर प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि उनसे असंभव समय-सीमा में डिलीवरी करवाई जा रही है, जिससे उनकी सुरक्षा, सम्मान और आजीविका तीनों खतरे में पड़ रही हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, यह हड़ताल देश के कई बड़े शहरों में देखी गई, जिसमें करीब दो लाख से ज्यादा कर्मियों के शामिल होने का दावा किया गया।

बता दें कि प्रदर्शनकारी 10 मिनट में डिलीवरी जैसे वादों को तुरंत खत्म करने, उचित भुगतान, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य बीमा और पेंशन जैसी सुविधाओं की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि ट्रैफिक से भरे भारतीय शहरों में इतनी कम समय सीमा न सिर्फ अव्यावहारिक है, बल्कि जानलेवा भी साबित हो सकती है।

गौरतलब है कि भारत में क्विक-कॉमर्स सेक्टर तेजी से बढ़ा है और स्विगी, ज़ोमैटो, ब्लिंकिट और ज़ेप्टो जैसी कंपनियां इस दौड़ में आगे निकलने की होड़ में हैं। इसी प्रतिस्पर्धा में 10 मिनट डिलीवरी जैसे वादे किए गए, जिनका सीधा दबाव डिलीवरी कर्मियों पर पड़ रहा है। कई कर्मचारियों का कहना है कि देरी होने पर उनके रेटिंग प्वाइंट कट जाते हैं और एल्गोरिदम के ज़रिये उन्हें सज़ा मिलती है।हैदराबाद के एक डिलीवरी कर्मचारी ने बताया कि वह रोज़ाना 10 घंटे से ज्यादा काम करता है और हर ऑर्डर पर बेहद कम भुगतान मिलता है। पेट्रोल, बाइक की मरम्मत और खाने का खर्च निकालने के बाद उसके पास बहुत कम बचता है। वहीं मुंबई के एक अन्य डिलीवरी बॉय ने कहा कि समय पर डिलीवरी करने के लिए कई बार ट्रैफिक सिग्नल तोड़ने पड़ते हैं, जिससे हादसे का खतरा बना रहता है।

कंपनियों की ओर से हालांकि यह दावा किया गया है कि सिस्टम पूरी तरह संतुलित है और तेज़ डिलीवरी स्टोर नेटवर्क के कारण संभव हो पाती है। ज़ोमैटो के सह-संस्थापक दीपिंदर गोयल ने कहा कि प्लेटफॉर्म पर काम करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जो इस मॉडल की स्वीकार्यता दिखाती है। वहीं श्रमिक संगठनों का कहना है कि लोग मजबूरी में काम कर रहे हैं, न कि सिस्टम से संतुष्ट होकर। गौरतलब है कि भारत में गिग वर्कर्स की संख्या लगातार बढ़ रही है और 2030 तक यह 2.3 करोड़ तक पहुंच सकती है। हालांकि सामाजिक सुरक्षा को लेकर कानून बनने के बावजूद जमीनी स्तर पर उसका असर सीमित है। कुछ राज्यों ने अलग कानून बनाए हैं, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर ठोस व्यवस्था अभी भी अधूरी मानी जा रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर समय रहते नियमों में सुधार नहीं हुआ, तो यह मॉडल असमानता और शोषण को और गहरा करेगा। फिलहाल, डिलीवरी कर्मियों की यह हड़ताल उस असंतोष की झलक है जो लंबे समय से भीतर ही भीतर पनप रहा था और अब खुलकर सामने आ रहा है।

टीएमसी विपक्ष में बैठेगी, भाजपा बनाएगी सरकार, बंगाल चुनाव से पहले शुभेंदु का बड़ा ऐलान

कोलकाता ०२/०१ (संवाददाता): भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद तृणमूल कांग्रेस विपक्ष में होगी। उन्होंने यह भी कहा कि चल रही एसआईआर प्रक्रिया चुनावों के नतीजों का संकेत है। उन्होंने वादा किया कि अगर भाजपा बंगाल में सज़ा में आती है तो वह जनता के लिए बेहतर कल्याणकारी योजनाएं लाएंगी। उन्होंने कहा कि टीएमसी यह झूठ फैला रही है कि ममता बनर्जी सरकार की महिलाओं को आर्थिक सहायता देने वाली लोकखीर भंडार योजना को भाजपा बंद कर देगी। अधिकारी ने मालदा जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस अप्रैल में पश्चिम बंगाल में विपक्षी दल बन जाएगी। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव इस साल के पहले छह महीनों में होने हैं। उन्होंने बताया कि 2024 के लोकसभा चुनावों में राज्य में टीएमसी और भाजपा को मिले वोटों में सिर्फ 40 लाख का अंतर था। उन्होंने आगे कहा, चल रहे एसआईआर में प्रकाशित मतदाता सूची के मसौदे से पहले ही 58 लाख नाम हटा दिए गए हैं। विपक्ष के नेता ने कहा कि मकर संक्रांति के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मालदा दौरे की संभावना है। अधिकारी ने कहा कि टीएमसी नेताओं के विरोध के बावजूद, वक्फ (संशोधन) अधिनियम राज्य में लागू कर दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि ममता बनर्जी ने कहा था कि यह अधिनियम यहां लागू नहीं होगा, लेकिन इसे लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य में शांति चाहती है और टीएमसी नेतृत्व पर विभाजनकारी राजनीति करने और वोटों के लिए मुसलमानों को तुष्टीकरण करने का आरोप लगाया। अधिकारी ने कहा कि भाजपा बंगाल को गुजरात की तरह उद्योग और उज़र प्रदेश एवं बिहार की तरह सुशासन देने की बात करती है। अधिकारी ने दावा किया कि टीएमसी केंद्र सरकार पर आवास और एमएनआरईजीए योजनाओं के लिए राज्य को धनराशि न देने के झूठे आरोप लगा रही है और कहा कि इन योजनाओं के लिए दी गई धनराशि अनधिकृत लाभार्थियों द्वारा लूट ली गई है।

1 फरवरी को पेश होगा देश का आम बजट? विज़ मंत्री की चल रही है बड़ी तैयारी

०२/०१ (संवाददाता): केंद्रीय बजट 2026 1 फरवरी को पेश होने की उम्मीद है, जो रविवार को पड़ रहा है। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। हालांकि संसद के बजट सत्र की तारीखें अभी औपचारिक रूप से घोषित नहीं हुई हैं, फिर भी सरकार द्वारा कार्यक्रम में बदलाव की संभावना कम है। विज़ मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार आठवां केंद्रीय बजट पेश करेंगी, जो स्वतंत्रता के बाद का 80वां बजट भी होगा। रिपोर्ट के अनुसार, वार्षिक बजट तैयारियों में तेज़ी से प्रगति हो रही है और 1 फरवरी को इसे पेश किया जाएगा। परंपरा के अनुसार, केंद्रीय बजट हर साल 1 फरवरी को पेश किया जाता है ताकि वित्तीय वर्ष की शुरुआत से ही संसदीय समीक्षा और कार्यान्वयन के लिए पर्याप्त समय मिल सके। सप्ताहांत पर बजट पेश करना कोई नई बात नहीं होगी। विज़ मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2025 का बजट शनिवार को पेश किया था, जबकि पूर्व विज़ मंत्री अरुण जेटली ने 2015 और 2016 के केंद्रीय बजट 28 फरवरी को पेश किए थे, दोनों ही शनिवार को।यदि योजना के अनुसार कार्य चलता है, तो सीतारमण लगातार नौ केंद्रीय बजट पेश करने वाली पहली विज़ मंत्री बनकर इतिहास रचेंगी, जिससे भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले विज़ मंत्रियों में उनका स्थान और मजबूत होगा। इससे वह पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के रिकॉर्ड के करीब पहुंच जाएंगी, जिन्होंने दो कार्यकालों में कुल 10 बजट पेश किए थे - 1959 से 1964 के बीच छह और 1967 से 1969 के बीच चार। अन्य हालिया विज़ मंत्रियों में, पी चिदंबरम ने नौ बजट पेश किए थे, जबकि प्रणब मुखर्जी ने अलग-अलग प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल में आठ बजट पेश किए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल के लिए सज़ा में लौटने के बाद, 2019 में सीतारमण को भारत की पहली पूर्णकालिक महिला विज़ मंत्री नियुक्त किया गया था। 2024 में मोदी सरकार के लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए सज़ा में आने के बाद भी उन्होंने विज़ मंत्रालय का कार्यभार संभाला।

इंदौर-दिल्ली त्रासदी पर भड़के अभिषेक बनर्जी, बोले-भाजपा की डबल इंजन सरकार हुई फेल

कोलकाता ०२/०१ (संवाददाता): तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने इंदौर जल त्रासदी और दिल्ली के विषाक्त प्रदूषण को दोहरे इंजन शासन की विफलता बताते हुए भाजपा पर जमकर हमला बोला।

पश्चिम बंगाल में अपने चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए बनर्जी ने मध्य प्रदेश में दूषित पानी से 10 लोगों की मौत और दिल्ली के खराब वायु गुणवज़ा सूचकांक के कारण उत्पन्न स्वास्थ्य आपातकाल का मुद्दा उठाया।

अधिकतम तापमान लगभग 18 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। इस बीच, राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवज़ा 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी रही, हालांकि इसमें मामूली सुधार दर्ज किया गया। सुबह वायु गुणवज़ा सूचकांक (एक्यूआई) 302 रिकॉर्ड किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के वर्गीकरण के अनुसार, 0 से 50 के बीच एक्यूआई 'अच्छा', 51 से 100 'संतोषजनक', 101 से 200 'मध्यम', 201 से 300 'खराब', 301 से 400 'बहुत खराब' और 401 से 500 'गंभीर' माना जाता है। सीपीसीबी के 'समीर' ऐप के आंकड़ों के अनुसार, 19 निगरानी केंद्र 'बहुत खराब', 15 'खराब' और एक 'गंभीर' श्रेणी में रहा।

एनएसआईटी द्वारका में सबसे खराब वायु गुणवज़ा दर्ज की गई, जहां एक्यूआई 423 रहा। बृहस्पतिवार को 24 घंटे का औसत एक्यूआई 380 था।

राजनाथ सिंह का उदयपुर से बड़ा संदेश, अपनी हेरीटेज पर गर्व करता है आज का न्यू इंडिया

उदयपुर ०२/०१ (संवाददाता): देश की समृद्ध सभ्यतागत विरासत की सराहना करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि आधुनिक भारत अपने प्राचीन अतीत और सांस्कृतिक परंपराओं को मान्यता देकर शक्ति और गौरव प्राप्त करता है। मेवाड़ के महाराणा भूपाल सिंह जी के नाम पर स्थापित इस विश्वविद्यालय के 104वें स्थापना दिवस समारोह को उदयपुर में संबोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता ने विज्ञान, चिकित्सा, गणित, व्याकरण, दर्शन और नैतिकता जैसे विभिन्न विषयों में ज्ञान प्रणालियों में भारत के स्थायी योगदान पर प्रकाश डाला।

सिंह ने कहा कि आज का भारत अपने अतीत पर गर्व करता है। आज का भारत अपनी परंपराओं का सम्मान करता है और अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को महत्व देता है। भारत की धरती ने चरक, सुश्रुत, आर्यभट, ब्रह्मगुप्त, माधव, पाणिनी, पतंजलि, नागार्जुन, पिंगला, मैत्रेयी, गार्गी और तिरुवल्लुवर जैसे विद्वानों को जन्म दिया है।

राजनाथ सिंह ने मेवाड़ के महाराणा भूपाल सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें केवल एक शासक ही नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी शिक्षाविद और समर्पित देशभक्त बताया। उन्होंने कहा कि महाराणा भूपाल जी ने चित्तौड़ में हिंदू विश्वविद्यालय, उदयपुर में कृषि महाविद्यालय और बालिका शिक्षा सहित कई विद्यालयों की स्थापना की। राजनाथ सिंह ने कहा कि मित्रों, इस संस्थान का नाम मेवाड़ के महाराणा श्री भूपाल सिंह जी के नाम पर रखा गया है। महाराणा श्री भूपाल सिंह जी केवल एक शासक ही नहीं थे; मुझे बताया गया है कि वे एक शिक्षाविद भी थे।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य को बड़ी राहत, छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में मिली जमानत

रायपुर ०२/०१ (संवाददाता): छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को छत्तीसगढ़ में कथित उत्पाद शुल्क घोटाले के संबंध में जमानत दे दी है। यह राहत प्रवर्तन निदेशालय और आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज दोनों मामलों में दी गई है। कोर्ट से जमानत फाइनल चार्जशीट दाखिल होने के बाद मिली है। हाल ही में ईडी ने शराब घोटाले में फाइनल चार्जशीट दाखिल की थी।

चैतन्य बघेल को 18 जुलाई को ईडी ने गिरफ्तार किया था। इस घोटाले में कथित तौर पर राज्य के खजाने को ?2,161 करोड़ से अधिक का चूना लगाया गया था। एजेंसी उन्हें इस पूरे मामले का मास्टरमाइंड बताती है, जिसमें कथित तौर पर रिश्वतखोरी, ऑफ-द-बुक बिक्री और लाइसेंस में हेराफेरी का एक नेटवर्क शामिल था। यह कथित घोटाला छत्तीसगढ़ राज्य विपणन निगम लिमिटेड (सीएसएमसीएल) के माध्यम से संचालित होता था, जहाँ शराब बनाने वालों से अनुकूल बाजार पहुँच के बदले कथित तौर पर रिश्वत ली जाती थी। ईडी का कहना है कि सरकारी दुकानों के माध्यम से देशी शराब अवैध रूप से बेची जाती थी और विशिष्ट लोगों को लाभ पहुँचाने के लिए विदेशी शराब के लाइसेंस (स्तरु-10) में हेराफेरी की जाती थी। इस मामले में कई अन्य हाई-प्रोफाइल नाम भी शामिल हैं, जैसे व्यवसायी अनवर ढेबर, पूर्व नौकरशाह अनिल टुटेजा और पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा, जिन पर नियमित रूप से रिश्वत लेने का आरोप है। अब तक, ईडी इस मामले में ?205 करोड़ की संपज़ि ज़ब्त कर चुका है।

दावा किया जा रहा है कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में चैतन्य बघेल को करीब 200 से 250 करोड़ रुपये मिले हैं। उन्होंने इस पैसे का उपयोग अपने रियल स्टेट के कारोबार में लगाया है। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में ईडी की टीम ने चैतन्य बघेल के अलावा कई सीनियर आईएस अधिकारी, राजनेता और करोबारियों को भी गिरफ्तार किया है।

नदी जल के मामले में 'अन्याय' के लिए केसीआर और हरीश राव 'फांसी के लायक हैं-रेवंत रेड्डी

हैदराबाद ०२/०१ (संवाददाता): तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार पर अविभाजित आंध्र प्रदेश की तुलना में तेलंगाना में सिंचाई परियोजनाओं में 'अधिक अन्याय' करने का आरोप लगाते हुए कहा कि नदी के जल के उपयोग में हुए अन्याय के लिए पूर्व मुख्यमंत्री पूर्ववर्ती के चंद्रशेखर राव और उनके भतीजे टी. हरीश राव को 'फांसी' देना भी गलत नहीं होगा।

बीआरएस ने रेड्डी पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने उसके दो नेताओं की मौत की कामना की है। नदी के जल संबंधी मुद्दों पर सज़ारूढ़ कांग्रेस के नेताओं को सिंचाई मंत्री एन उज़म कुमार रेड्डी द्वारा दिए गए 'पावरप्वॉइंट प्रेजेंटेशन' में ये टिप्पणियां करते हुए, रेड्डी ने अपने मुद्दे को रेखांकित करने के लिए तेलंगाना के दिवंगत कवि कालोजी नारायण राव के एक उद्धरण का हवाला दिया, ''हम उन बाहरी लोगों को बाहर निकाल देंगे जो हमारा शोषण करते हैं, और यदि हमारे ही क्षेत्र के लोग हमारा शोषण करते हैं तो हम उन्हें जिंदा दफना देंगे।''

रेड्डी की टिप्पणियों का जवाब देते हुए, बीआरएस के पूर्व विधायक एस निरंजन रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री एक तरफ के चंद्रशेखर राव को विधानसभा में आमंत्रित कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ ''चंद्रशेखर राव और हरीश राव की मौत की कामना'' कर रहे हैं।

विविध समाचार

कोलकाता नाइट राइडर्स में मुस्ताफ़िज़ुर रहमान की एंट्री पर भड़के संगीत सोम, शाहरुख़ ख़ान को बताया देश का गद्दार

नयी दिल्ली ०२/०१ (संवाददाता): क्रिकेट का मैदान, जो चौकों-छक्कों और खेल भावना के लिए जाना जाता है, वह अब सियासी गोलाबारी का अखाड़ा बनता जा रहा है। हम आपको बता दें कि इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले ही एक बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया है, जिसके केंद्र में हैं भाजपा के पूर्व विधायक संगीत सोम, बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख़ ख़ान और बांग्लादेशी तेज़ गेंदबाज़ मुस्ताफ़िज़ुर रहमान। दरअसल आईपीएल 2026 की नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा मुस्ताफ़िज़ुर रहमान को 9.20 करोड़ रुपये में खरीदे जाने को क्रिकेट विशेषज्ञों ने जहां रणनीतिक मास्टरस्ट्रोक बताया, वहीं यह फैसला राजनीतिक और राष्ट्रवादी विवादों की आग में घी डालने वाला साबित हुआ। कोलकाता

नाइट राइडर्स के सह-मालिक शाहरुख़ ख़ान पर सीधा निशाना साधते हुए संगीत सोम ने उन्हें गद्दार तक कह डाला और खुले मंच से इस फैसले का विरोध किया। हम आपको बता दें कि मेरठ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए संगीत सोम ने तल्ख़ लहजे में कहा कि बांग्लादेशी खिलाड़ियों को भारतीय धरती पर खेलने की इजाज़त नहीं दी जाएगी। उन्होंने शाहरुख़ ख़ान पर हमला बोलते हुए कहा कि अभिनेता अपनी कामयाबी की जड़ें भूल चुके हैं। उन्होंने कहा, हम दावे के साथ कह रहे हैं कि ऐसे खिलाड़ियों को यहां खेलने नहीं दिया जाएगा। शाहरुख़ ख़ान जैसे गद्दारों को यह समझ लेना चाहिए कि अगर आप आज इस मुकाम पर पहुंचे हैं तो इस देश के लोगों की वजह से पहुंचे हैं। यहीं नहीं, सोम का हमला और भी तीखा होता गया। उन्होंने आरोप लगाया कि चयक्र का यह फैसला देश की भावनाओं के खिलाफ़ है। उन्होंने कहा कि कभी पाकिस्तान को चंदा देने की बात करते हैं, कभी रहमान जैसे खिलाड़ी खरीदने की बात करते हैं। यह अब इस देश में नहीं चलेगा। ऐसे गद्दारों के लिए देश में कोई जगह नहीं बचेगी। देखा जाये तो यह विवाद ऐसे समय पर भड़का है जब भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ़ हिंसा और लिंचिंग की घटनाओं ने माहौल पहले ही संवेदनशील बना रखा है। ऐसे में बांग्लादेशी खिलाड़ी की ढ्क्क में एंट्री को लेकर विरोध की आवाज़ें तेज़ होना लगभग तय माना जा रहा था। वैसे संगीत सोम अकेले ऐसे नेता नहीं हैं जिन्होंने इस मुद्दे को हवा दी हो। इससे पहले धार्मिक नेता देवकीनंदन ठाकुर भी चयक्र के इस फैसले पर सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने केकेआर प्रबंधन को चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर खिलाड़ी को वापस नहीं लिया गया तो बहुत बड़ा खेला होगा। उनके बयान ने इस विवाद को और भड़काने का काम किया, जिससे यह साफ़ हो गया कि मामला सिर्फ़ क्रिकेट तक सीमित नहीं रहने वाला।

वहीं राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ढ्क्क जैसे वैश्विक मंच पर अब खिलाड़ी की काबिलियत से ज़्यादा उसका देश और मौजूदा राजनीतिक हालात मायने रखने लगे हैं। इसके साथ ही यह सवाल भी उठ रहा है कि ज़्या खेल को जानबूझकर राष्ट्रवाद की प्रयोगशाला बनाया जा रहा है? हम आपको यह भी बता दें कि अब तक न तो शाहरुख़ ख़ान और न ही चयक्र प्रबंधन की ओर से इस पूरे विवाद पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया आई है। वहीं, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भी बांग्लादेशी खिलाड़ियों पर किसी तरह का औपचारिक प्रतिबंध नहीं लगाया है। इसके बावजूद राजनीतिक दबाव जिस तरह बढ़ रहा है, उससे यह साफ़ संकेत मिल रहे हैं कि मुस्ताफ़िज़ुर रहमान के लिए 2026 का रास्ता आसान नहीं होगा।

पाकिस्तानी ड्रोन का नापाक मंसूबा फेल! पुंछ में सेना ने गोला-बारूद से भरा बैग जज़्त किया, ड्रोन से गिराए जाने की आशंका

कश्मीर ०२/०१ (संवाददाता): जज़्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में लाइन ऑफ कंट्रोल (स्पष्ट) के पास एक पाकिस्तानी ड्रोन भारतीय इलाके में घुस आया और उसने संदिग्ध विस्फोटक सामग्री, गोला-बारूद और नशीले पदार्थ गिराए, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, ड्रोन पुंछ के खाड़ी करमाड़ा इलाके में भारतीय हवाई क्षेत्र में घुसा और स्पष्ट पार वापस जाने से पहले पांच मिनट से ज़्यादा समय तक भारतीय इलाके में रहा। आशंका है कि यह खेप ड्रोन से गिराई गई थी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह खेप सुबह के समय खारी गांव के चक्कन दा बाग इलाके में रंगर नाला और पुंछ नदी के बीच गिराई गई थी। अधिकारियों ने बताया कि निरीक्षण के दौरान सेना के जवानों को गोला-बारूद से भरा एक बैग और एक पीला टिफिन बॉज़्स मिला, जिसमें करीब दो किलोग्राम आईईडी था। अधिकारियों ने बताया कि बम

निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया और उन्होंने नियंत्रित विस्फोट के जरिये आईईडी को निष्क्रिय कर दिया। भारतीय सेना, जज़्मू-कश्मीर पुलिस और विशेष अभियान समूह की संयुक्त टीमों ने इलाके में तलाश अभियान शुरू कर दिया है।

सुरक्षा एजेंसियां अपनी जांच के हिस्से के तौर पर और ड्रोन गतिविधि से होने वाले खतरे की प्रकृति का आकलन करने के लिए सामग्री की बारीकी से जांच कर रही हैं।यह घटना नए साल के जश्न के बीच जज़्मू क्षेत्र में बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुई है। इन तेज़ एंटी-टेरर ऑपरेशंस के तहत, सुरक्षा बलों ने कई जिलों में, खासकर सीमावर्ती इलाकों और जंगली अंदरूनी इलाकों में निगरानी और ज़मीनी जांच बढ़ा दी है। न्यूज़ एजेंसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा बलों ने मंगलवार को बढ़े हुए एंटी-टेरर उपायों के तहत सीमावर्ती इलाकों और पुंछ और किश्तवाड़ जिलों के पहाड़ी अंदरूनी इलाकों में घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया।

अधिकारियों ने बताया कि ये ऑपरेशन खास खुफिया जानकारी मिलने के बाद शुरू किए गए थे। डोडा-किश्तवाड़ के जंगल वाले इलाकों में दो आतंकवादी समूहों की मौजूदगी की जानकारी मिलने पर, सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों की हलचल का पता चलने के बाद केशवन-छतरू घाटी में घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया।

उज़र प्रदेश-बिहार की 15, बंगाल की 5 सीटें होंगी खाली, साल 2026 में ऐसे बदल जाएगी राज्यसभा की तस्वीर

नयी दिल्ली ०२/०१ (संवाददाता): 2026 मोदी सरकार और भारतीय राजनीति के लिए बेहद अहम साल साबित होने वाला है, ज़्योंकि इसी दौरान राज्यसभा में सज़ा संतुलन बदलने की पूरी संभावना बन रही है। मोदी सरकार के छह मंत्रियों सहित कई बड़े नेताओं का राज्यसभा कार्यकाल पूरा हो रहा है, ऐसे समय में जब मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल और राजनीतिक पुनर्संतुलन की अटकलें तेज़ हैं। खास तौर पर महाराष्ट्र, उज़र प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में खाली होने वाली सीटें न केवल दलों की संज़्या तय करेंगी, बल्कि एनडीए और विपक्षी गठबंधनों की ताकत भी परखेंगी। उज़र प्रदेश में 10, बिहार में 5 और महाराष्ट्र में 7 सीटों का खाली होना सज़ारूढ़ भाजपा और विपक्ष के लिए बड़ी राजनीतिक परीक्षा है। वहीं पश्चिम बंगाल और बिहार में बदलती विधानसभा गणित राज्यसभा चुनावों को और दिलचस्प बना सकती है। कुल मिलाकर, 2026 के राज्यसभा चुनाव सिर्फ संज़्या का खेल नहीं होंगे, बल्कि सज़ा की दिशा तय करने वाला निर्णायक मोड़ साबित हो सकते हैं।

2026 में मोदी सरकार के छह मंत्रियों का भी राज्यसभा टर्म पूरा होगा। इनका टर्म ऐसे समय पूरा होगा जब मोदी सरकार में बड़े बदलाव की भी

संभावना बतायी जा रही है। महाराष्ट्र में रामदास अठावले बीजेपी के समर्थन से दो बार से राज्यसभा जा रहे हैं। लेकिन, हाल में उनका एनडीए में संबंध कोई बहुत बेहतर नहीं रहा है। बीएमसी चुनाव में भी वह सीट शेयरिंग को लेकर नाराज हैं। मंत्रिमंडल फेरबदल में कई 7 पुराने मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है।

यूपी से 10 राज्यसभा सीटें खाली होगी। मौजूदा वक्त में इनमें से 8 सीटें बीजेपी के पास है। नवबर में जिन बीजेपी सांसदों का कार्यकाल खत्म हो रहा है, उनमें नीरज शेखर, दिनेश शर्मा, हरदीप पुरी, बीएस वर्मा, बृज लाल और सीमा द्विवेदी शामिल है। समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव और बीएसपी के रामजी गौतम का कार्यकाल भी नए साल के नवबर महीने में खत्म हो रहा है। राज्य विधानसभा में बीजेपी की स्थिति को देखते हुए पार्टी अपनी 8 सीटों को कायम रख सकती है, समाजवादी पार्टी को भी दो सीटें मिल सकती है। बीएसपी के पास इतने नबर नहीं है कि वह अपने किसी नेता को राज्यसभा भेज सके। ऐसे में लगभग दो दशक बाद ऐसे हालात बनेंगे कि बीएसपी को एक भी सांसद नहीं होगा।

बिहार में अप्रैल में राज्यसभा की पांच सीटें खाली हो रही है। राज्यसभा में जिन सांसदों का कार्यकाल खत्म हो रहा है, उनमें राष्ट्रीय जनता दल के प्रेम चंद गुप्ता, केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर, आरएलएम उपेंद्र कुशवाहा, जेडीयू के हरिवंश नारायण शामिल हैं। 243 सदस्यीय विधानसभा में एक सीट पर जीत के लिए 41 विधायकों के सपोर्ट की जरूरत है।

बंगाल से पांच सीटों पर चुनाव होगा, खाली होने वाली सीटों में चार टीएमसी से हैं। सीपीएम के बिकास रंजन भट्टाचार्य का कार्यकाल भी अप्रैल में खत्म हो रहा है। राज्य में मार्च-अप्रैल में चुनाव हो सकते हैं। इस लिहाज से विधानसभा की स्थिति बदल जाएगी और जिससे ये चुनाव प्रभावित होंगे। मध्य प्रदेश में राज्यसभा की 3 सांसदों का कार्यकाल पूरा हो रहा है।

ममता का मां-माटी-मानुष पर जोर, कहा- शत्रुओं से नहीं डरेंगे, जनता के लिए लड़ाई जारी

कोलकाता ०२/०१ (संवाददाता): पश्चिम बंगाल की मुज़्यमंत्री ममता बनर्जी ने अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के स्थापना दिवस पर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को बधाई दी और %मां-माती-मानुष% के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए आम जनता के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि आज भी हमारी पार्टी का हर कार्यकर्ता और समर्थक इस लक्ष्य के प्रति दृढ़ और प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि तृणमूल कांग्रेस परिवार आज अनगिनत लोगों के आशीर्वाद, प्रेम और प्रार्थनाओं से धन्य है। आपके अटूट समर्थन से ही हमें शक्ति मिलती है और हम इस महान लोकतांत्रिक राष्ट्र में प्रत्येक व्यक्ति के अधिकारों के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। हम किसी

भी द्वेषपूर्ण शक्ति के आगे नहीं झुकेंगे और तमाम शत्रुताओं को दरकिनार करते हुए आम जनता के लिए हमारा संघर्ष जीवन भर जारी रहेगा। मैं मां-माती-मानुष परिवार के सभी समर्पित कार्यकर्ताओं और समर्थकों को अपना प्रणाम और सज़्मान व्यक्त करती हूं।

टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि इस अवसर पर पार्टी जनता के साथ खड़े रहने के अपने संकल्प को दोहराती है। तृणमूल कांग्रेस स्थापना दिवस पर, मैं अपने निरंतर बढ़ते परिवार के प्रत्येक सदस्य के प्रति कृतज्ञता से सिर झुकाता हूँ। परिवर्तन के आंदोलन के रूप में शुरू हुआ यह सफर आज एक शक्तिशाली लोकतांत्रिक ताकत में तज़्दील हो गया है।

मैं अपने जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं का विशेष सज़्मान करता हूँ। आप ही इस कहानी के रचयिता हैं। आपका अनुशासन, आपका बलिदान और आपका अटूट विश्वास ही हमारी राजनीति को शक्ति प्रदान करता है। जब तक हम अपनी माँ, मति, मानुष के प्रति निष्ठावान रहेंगे, कोई भी शक्ति, चाहे वह कितनी भी अहंकारी या दमनकारी ज़्यों न हो, बंगाल के सामूहिक संकल्प को पराजित नहीं कर सकती। आज हम जनता के साथ खड़े रहने, उनकी लोकतांत्रिक आवाज की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के अपने संकल्प को दोहराते हैं कि बंगाल में किसी को भी बांग्ला-बिरोधी जमींदारी शक्तियों द्वारा परेशान, अपमानित या डराया न जाए।

टीएमसी का गठन 1 जनवरी, 1998 को हुआ था, जब बनर्जी ने वैचारिक और राजनीतिक मतभेदों के बाद कांग्रेस से अलग होकर पार्टी बनाई थी। एक नवोदित क्षेत्रीय पार्टी से टीएमसी 2016 में राष्ट्रीय पार्टी बन गई।

सुदर्शन चक्र जल्द बनेगा हकीकत, राजनाथ ने डीआरडीओ की क्षमता पर जताया भरोसा

नयी दिल्ली ०२/०१ (संवाददाता): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय राजधानी में डीआरडीओ भवन में डीआरडीओ स्थापना दिवस के अवसर पर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली स्थित डीआरडीओ मुज़्यालय के 68वें स्थापना दिवस के अवसर पर अपने दौरे के दौरान कहा कि सिंदूर ऑपरेशन के दौरान डीआरडीओ द्वारा विकसित हथियार प्रणालियों ने निर्णायक भूमिका निभाई, जो राष्ट्रीय हितों की रक्षा के प्रति संगठन की व्यावसायिकता और प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

उन्होंने सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक तकनीकों/उपकरणों से लैस करके भारत की स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए डीआरडीओ की सराहना करते हुए कहा कि ऑपरेशन के दौरान डीआरडीओ के उपकरणों ने निर्बाध रूप से काम किया, जिससे सैनिकों का मनोबल बढ़ा।

` आधुनिक युद्ध में वायु रक्षा के महत्व को देखा। मुझे

विश्वास है कि डीआरडीओ इस लक्ष्य को जल्द से जल्द हासिल करने के लिए पूरी लगन से काम करेगा।

राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह प्रौद्योगिकी निर्माता होने के साथ-साथ विश्वास निर्माता भी है, जिससे लोग आशा, निश्चितता और विश्वास के साथ इसकी ओर देखते हैं।

निजी क्षेत्र के साथ डीआरडीओ के सहयोग को स्वीकार करते हुए, उन्होंने कहा कि उद्योग, शिक्षा जगत और स्टार्टअप्स के साथ बढ़ते जुड़ाव से एक समन्वित रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा, डीआरडीओ ने अपनी प्रणालियों, प्रक्रियाओं और कार्यप्रणाली में लगातार सुधार किया है।

खरीद से लेकर परियोजना प्रबंधन तक, उद्योग के साथ जुड़ाव से लेकर स्टार्टअप और एमएसएमई के साथ सहयोग तक, काम को आसान, तेज और अधिक विश्वसनीय बनाने के लिए स्पष्ट प्रयास किए जा रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने डीआरडीओ से तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र के साथ तालमेल बिठाते हुए आगे बढ़ने और बदलते समय के अनुरूप प्रासंगिक उत्पाद विकसित करते रहने का आह्वान किया। उन्होंने संगठन से नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने और निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने वाले अधिक क्षेत्रों की पहचान करने का आग्रह किया। डीआरडीओ द्वारा गहन तकनीक और अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इस दिशा में प्रगति से न केवल राष्ट्र की क्षमताओं में वृद्धि होगी, बल्कि रक्षा तंत्र भी मजबूत होगा।

राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि वर्तमान युग केवल विज्ञान का नहीं, बल्कि निरंतर विकास और सीखने का युग है। उन्होंने कहा कि इस बदलते विश्व में प्रौद्योगिकी स्कैनिंग, क्षमता मूल्यांकन और भविष्य की तैयारी अब केवल शज़्द मात्र नहीं रह गए हैं। उन्होंने कहा कि विश्व प्रतिदिन बदल रहा है।

प्रौद्योगिकी, नवाचार और नए युद्ध क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, जिससे कल का ज्ञान अप्रचलित हो रहा है। हमें कभी यह नहीं मानना ??चाहिए कि सीखने की प्रक्रिया समाप्त हो गई है। हमें सीखते रहना चाहिए और खुद को चुनौती देते रहना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी के लिए मार्ग प्रशस्त हो सके।

संभल की जामा मस्जिद की नहीं होगी रंगाई-पुताई, सिर्फ साफ सफाई की इजाजत

संभल ०२/०१ (संवाददाता): इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ;एएसआईद्ध को संभल में जामा मस्जिद के परिसर को साफ करने का निर्देश दियाए लेकिन मस्जिद की सफेदी करने का आदेश पारित नहीं किया। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने यह आदेश जामा मस्जिद प्रबंधन समिति के एक आवेदन पर पारित कियाए जिसमें रमजान से पहले मस्जिद की सफेदी और सफाई की अनुमति मांगी गई थी। गुरुवार को अदालत ने एएसआई को मस्जिद स्थल का तुरंत निरीक्षण करने और तीन अधिकारियों की एक टीम नियुक्त करने का निर्देश दियाए जो शुक्रवार सुबह 10 बजे तक इस संबंध में एक रिपोर्ट पेश की।

एएसआई की रिपोर्ट के मुताबिकए मस्जिद के अंदरूनी हिस्से में सिरेमिक पेंट है और फिलहाल इसे सफेद करने की कोई जरूरत नहीं है। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान मस्जिद समिति की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एस एफ ए नकवी ने कहा कि वे चाहते हैं कि केवल सफेदी और रोशनी का काम किया जाए। इस पर कोर्ट ने एएसआई को परिसर में धूल साफकरने और घास साफकरने को कहा। नकवी ने अदालत को आश्वासन दिया कि सफाई के दौरान कोई बाधा उत्पन्न नहीं की जाएगी जबकि राज्य के महाधिवक्ता ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखी जाएगी।

संभल पुलिस ने इस दावे का विरोध करते हुए तर्क दिया कि समिति को किसी भी रखरखाव कार्य के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से अनुमति की आवश्यकता है।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

विविध समाचार

क्या भगवान को फूल पानी से धोकर चढ़ाना चाहिए?

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ करने का विशेष महत्व है। ऐसा कहा जाता है कि पूजा के दौरान अपने ईष्टदेव को उनके प्रिय पुष्प अर्पित करने से व्यक्ति की सभी मनोकामना पूरी हो सकती है। वहीं पुष्प के साथ उन्हें भोग भी चढ़ाया जाता है। इससे सुख-समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति हो सकती है। अब ऐसे में पूजा के दौरान देवी-देवताओं को फूल पानी से धोकर अर्पित करना चाहिए या नहीं।

कई लोग पूजा के दौरान भगवान को फूल धोकर अर्पित करते हैं। ऐसा अशुभ माना जाता है। इसलिए अगर आप अपने आराध्य को पुष्प अर्पित कर रहे हैं, तो उन्हें सीधे तोड़कर अर्पित करें। इससे शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

धुले पुष्प जलदेव को होते हैं समर्पित

ऐसा कहा जाता है कि अगर आप पुष्प धोकर देवी-देवताओं को अर्पित करते हैं, तो इससे पहले वह फूल जलदेव को अर्पित हो चुके होते हैं। इसलिए अर्पित किए फूल को कभी देवी-देवता को अर्पित नहीं करना चाहिए। इससे देवी-देवता नाराज हो सकते हैं।

ब्रह्म मुहूर्त में देवी-देवताओं के लिए तोड़े पुष्प

अगर आप भगवान को चढ़ाने के लिए फूल तोड़ रहे हैं, तो ब्रह्म मुहूर्त (ब्रह्म मुहूर्त उपाय) का समय बेहद शुभ माना जाता है। इससे शुभ परिणाम की प्राप्ति हो सकती है और देवी-देवता भी बेहद प्रसन्न होते हैं। इसलिए ब्रह्म मुहूर्त में फूल तोड़ सकते हैं।

भगवान को फूल अर्पित करने के नियम

अगर आप देवी-देवता को फूल अर्पित कर रहे हैं, तो इस बात का ध्यान रखें कि स्नान करने के बाद पुष्प तोड़ें और फिर सीधे भगवान को अर्पित करें। पश्चात भगवान को भोग लगाए और नियमित पूजा-पाठ करें। इससे उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है।

संध्या के समय तोड़े फूल भगवान को न चढ़ाएं

कुछ लोग पूजा में अर्पित करने के फूलों को एक दिन पहले ही तोड़ लेते हैं, लेकिन ऐसा करने से बचना चाहिए। क्योंकि वह फूल बासी हो जाते हैं। इसलिए जब भी आप भगवान की पूजा कर रहे हैं, तो तुरंत तोड़ें और उन्हें अर्पित करें। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि अगर आपपुष्प तोड़ रहे हैं, तो पेड़-पौधों से माफी जरूर मांग लें। उसके बाद ही तोड़ें। इससे देवी-देवता बेहद प्रसन्न हो सकते हैं।

घर में लगाएं मां लक्ष्मी के चरण चिह्न

शास्त्रों के हिसाब से मां लक्ष्मी को कई नामों से जाना जाता है। जैसे कि धन लक्ष्मी, वरलक्ष्मी, महालक्ष्मी कहा जाता है। क्योंकि यह एक स्थान पर ज्यादा देर तक नहीं ठहरती हैं। मां लक्ष्मी को धन का देवी कहा जाता है। जो व्यक्ति इनकी विधिवत पूजा करता है। उसे वैभव, धन-ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है और साथ ही मां लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहती है। अब ऐसे में मां लक्ष्मी के कई प्रतीक चिह्न के बारे में भी बताया गया है। जिसे घर में रखने से व्यक्ति के जीवन में कभी धन-धान्य की कमी नहीं होती है। तो आइए इस लेख में मां लक्ष्मी के प्रतीक चिह्न के बारे में विस्तार से जानते है।

चरण चिह्न मां लक्ष्मी (मां लक्ष्मी मंत्र)का प्रतीक चिह्न माना जाता है। जब भी घर में कोई भी शुभ कार्य आरंभ होते हैं। तब रंगोली बनाने के साथ मां लक्ष्मी के करण चिह्न भी कई तरह से बनाए जाते हैं। आप मां लक्ष्मी के चरण घर के मुख्य द्वार पर लगाएं। इससे मां लक्ष्मी की कृपा आपके ऊपर हमेशा बनी रहेगी। अगर आप घर में मां लक्ष्मी के चरण चिह्न लगाते हैं, तो इस बात का ध्यान रखें कि घर की साफ-सफाई अवश्य करें। रोजाना साफ-सफाई करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है और परिवार पर कभी किसी प्रकार की कोई बाधा नहीं आती है।

घर में शुभ मुहूर्त देखकर श्रीयंत्र की करें स्थापना

घर में शुभ मुहूर्त को देखते हुए श्रीयंत्र की स्थापना करें। श्रीयंत्र मां लक्ष्मी का प्रतीक चिह्न माना जाता है। इसे मां लक्ष्मी का शरीर भी कहा जाता है।

घर में बनाएं स्वास्तिक का निशान

मां लक्ष्मी को स्वास्तिक का चिह्न भी बेहद पसंद है। यह प्रतीक भगवान गणेश को दर्शाता है। ऐसा कहा जाता है कि मां लक्ष्मी एक जगह पर ज्यादा देर तक नहीं रहती है। उनकी स्थिरता को बनाए रखने के लिए भगवान गणेश का होना बेहद जरूरी है। क्योंकि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार मां लक्ष्मी भगवान गणेश को अपने पुत्र रूप में पाकर बेहद प्रसन्न हुई थीं और उन्होंने भगवान गणेश (भगवान गणेश मंत्र) को वरदान दिया था कि मेरी पूजा के साथ तुम्हारी पूजा भी की जाएगी।

घर मां रखें मां लक्ष्मी का पसंदीदा फूल

मां लक्ष्मी का प्रतीक चिह्न कमल का फूल भी माना जाता है। मां की सवारी भी यही है। इसलिए घर में चांदी के कमल का फूल खरीदकर लाएं और पूजा स्थान पर रख दें। इससे आपके घर कभी पैसों से संबंधित कोई परेशानी नहीं आएगी।

हिंदू धर्म में नारियल के पेड़ को देवताओं का प्रतीक माना गया है

हिंदू धर्म में सभी पेड़-पौधे की पूजा विधिवत रूप से करने के बारे में विस्तार से बताया गया है। पेड़-पौधों में देवी-देवताओं का वास होता है। हिंदू धर्म में नारियल का पेड़ को एक पवित्र वृक्ष माना जाता है। इसका धार्मिक महत्व इतना गहरा है कि इसका उपयोग पूजा-पाठ, अनुष्ठानों और शुभ कार्यों में व्यापक रूप से किया जाता है। नारियल को देवताओं को अर्पित किया जाता है और माना जाता है कि यह शुभता और समृद्धि लाता है। हिंदू धर्म में नारियल के पेड़ को देवताओं का प्रतीक माना जाता है। इसे भगवान शिव, विष्णु और लक्ष्मी सहित कई देवताओं को अर्पित किया जाता है। बता दें, नारियल को शुभता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसे नए घर में प्रवेश करते समय, विवाह के समय और अन्य शुभ अवसरों पर तोड़ा जाता है। नारियल को बुरी नजर और नकारात्मक ऊर्जा से बचाने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। अब ऐसे में नारियल के पेड़ की पूजा किस विधि से करने से लाभ हो सकता है।

नारियल के पेड़ की पूजा किस विधि से करें?

- आप नारियल के पेड़ की पूजा के लिए किसी भी शुभ मुहूर्त का चुनाव कर सकते है।
- नारियल के पेड़ के नीचे एक साफ स्थान चुने और वहां बैठ जाएं।
- एक आसन बिछाकर बैठें और पेड़ की ओर मुख करके बैठ जाएं।
- मुंह में जल लेकर तीन बार कुल्ला करें।
- पेड़ के तने पर जल चढ़ाएं।
- पेड़ के तने पर रोली से तिलक लगाएं।
- पेड़ के चारों ओर चावल अर्पित करें। उसके बाद विधिवत रूप से मंत्रों का उच्चारण करें।
- पेड़ के नीचे फूल और धूप जलाएं।
- आप कोई भी मंत्र जाप कर सकते हैं, जैसे कि ओम नमो भगवते वासुदेवाय या फिर आप माता लक्ष्मी के मंत्रों का जाप कर सकते हैं। इससे आपको लाभ हो सकता है।
- नारियल के पेड़ की 11 बार परिक्रमा लगाएं। उसके बाद भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के स्तोत्र का भी जाप कर सकते हैं। इससे आपको लाभ हो सकता है।

नारियल के पेड़ की पूजा करने का महत्व क्या है?

ऐसा माना जाता है कि नारियल के पेड़ की पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती है। नारियल के पेड़ की पूजा करने से रोग-दोष से भी छुटकारा मिल जाता है। इतना ही नहीं, नारियल के पेड़ की पूजा करने से आर्थिक परेशानियों से भी छुटकारा मिल जाता है और व्यक्ति को उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है। इसके अलावा नारियल के पेड़ की पूजा करने से सुख-शांति का भी वातावरण बना रहता है।

इस दिशा में न लगाएं नारियल का पेड़ बढ़ सकता है पारिवारिक क्लेश

वास्तु शास्त्र के अनुसार, नारियल के पेड़ का संबंध शुक्र ग्रह से है। इसके अलावा, नारियल के पेड़ में भगवान विष्णु, भगवान शिव और ब्रह्मा का वास माना गया है। साथ ही, नारियल के पेड़ को कल्पवृक्ष भी कहते हैं।

घर में पेड़-पौधे लगाना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि पेड़ या पौधों को घर में लगाने से सकारात्मकता बनी रहती है। हालांकि पेड़ या पौधों को लगाते समय वास्तु शास्त्र में बताये गए नियमों का ध्यान रखना जरूरी है, नहीं तो घर पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है। वास्तु शास्त्र में ऐसे कई पेड़ बताए गए है जिन्हें घर के आंगन में उगाना लाभकारी होता है। इन्हीं में से एक है नारियल का पेड़। ज्योतिषाचार्य ने हमें बताया कि नारियल का पेड़ घर में लगाते समय दिशा का ज्ञान होना जरूरी है क्योंकि गलत दिशा में लगाया गया नारियल का पेड़ घर पर संकट ला सकता है। ऐसे में आइये जानते है कि किस दिशा में नहीं लगाना चाहिए नारियल का पेड़।

कहां नहीं लगायें नारियल का पेड़?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, नारियल के पेड़ का संबंध शुक्र ग्रह से है। इसके अलावा, नारियल के पेड़ में भगवान विष्णु, भगवान शिव और ब्रह्मा का वास माना गया है। साथ ही, नारियल के पेड़ को कल्पवृक्ष भी कहते हैं। साथ ही, नारियल को माता लक्ष्मी का प्रतीक भी माना जाता है। ऐसे में वास्तु शास्त्र कहता है कि नारियल के पेड़ को कभी भी घर की पूर्व या उत्तर दिशा में नहीं लगाना चाहिए। हालांकि ज्यादातर पौधों को इन्हीं दो दिशाओं में लगाना अच्छा मानते हैं लेकिन नारियल के पेड़ को इन दिशाओं में लगाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ने लगती है। वास्तु शास्त्र कहता है कि नारियल के पेड़ को उत्तर दिशा में लगाने से धन की हानि होती है और घर में तंगी के हालत पैदा होते हैं। वहीं, पूर्व दिशा में लगाने से मान-सम्मान घटने लगता है और घर में पारिवारिक क्लेश का वातावरण जन्म लेता है। घर की शांति भंग होने लगती है।

बेलपत्र के पेड़ के नीचे किस दिन सरसो तेल का दीपक जलाना चाहिए?

हिंदू धर्म में पेड़-पौधों की पूजा-अर्चना करने की विशेष मान्यता है। वहीं बेलपत्र के पेड़ के नीचे किस तेल का दीपक जलाने से शुभ परिणाम मिल सकते हैं।

सनातन धर्म में पेड़-पौधों को देवी-देवताओं का स्वरूप माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आप रोजाना भगवान की पूजा नहीं कर पा रहे है, तो पेड़-पौधों को स्पर्श करके प्रणाम जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति को ग्रहदोष से छुटकारा मिल जाता है और सुख-समृद्धि की भी प्राप्ति होती है। आपको बता दें, पेड़-पौधे का दिन के अनुसार पूजे जाने की भी मान्यता है। विभिन्न पेड़-पौधों के लिए दीपक भी अलग-अलग तरह के दिखाने का भी महत्व है। अब ऐसे में बेलपत्र के पेड़ के नीचे किस दिन तेल का दीपक जलाने से शुभ फल मिल सकते हैं।

सोमवार के दिन जलाएं सरसों तेल का दीपक

सोमवार भगवान शिव को समर्पित दिन होता है और इस दिन बेलपत्र के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाने का विशेष महत्व है। भगवान शिव जल और सरसों के तेल से प्रसन्न होते हैं। सोमवार को बेलपत्र के पेड़ के नीचे सरसों का तेल जलाने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। इतना ही नहीं, अगर आपके वैवाहिक जीवन में कोई परेशानी आ रही है, तो सरसों तेल का दीपक जलाने से लाभ हो सकता है।

मंगलवार के दिन जलाएं तिल के तेल का दीपक

मंगलवार को हनुमान जी का दिन माना जाता है। इस दिन तिल के तेल का दीपक जलाने से शुभ परिणाम मिलते हैं। मंगल ग्रह से संबंधित समस्याओं को दूर करने के लिए भी तिल के तेल का दीपक जलाने से लाभ हो सकता है। साथ ही अक्षय फलों की भी प्राप्ति होती है। इसलिए बेलपत्र के पेड़ के नीचे तिल के तेल का दीपक जरूर जलाएं।

गुरुवार के दिन दीपक में हल्दी डालकर जलाएं

गुरुवार का दिन देवगुरु बृहस्पति को समर्पित है और बृहस्पति ज्ञान, धन और वैभव के देवता है। ऐसी मान्यता है कि गुरुवार के दिन बेलपत्र के पेड़ के नीचे दीपक में हल्दी डालकर जलाने से गुरुदोष से छुटकारा मिल जाता है और सुख-समृद्धि की भी प्राप्ति होती है। आपको बता दें, यह उपाय आप विशेष रूप से तब करें। जब आपको कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और वैवाहिक जीवन में कलह-क्लेश की स्थिति बन रही है। तब आप सरसों तेल में हल्दी डालकर दीपक जलाएं और भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करें। इससे लाभ हो सकता है।

कलिंग समाचार

संपादकीय

शनिवार 03 जनवरी 2026

आंखें तरेरता बांग्लादेश

अपने विदेश दौरों की गिनती बढ़वा कर और सबसे अधिक देशों से वहां का सर्वोच्च स मान हासिल करने का रिकार्ड अपने नाम करवाने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगे हुए हैं। उनके लिए शायद बड़ी उपलब्धि यही होगी कि कितने राष्ट्राध्यक्षों को उन्होंने झप्पी दी है, कितनों के साथ कार में अकेले सवारी की है और कितनों को पहले नाम से बुलाते हैं। लेकिन मोदी से पहले भारत की विदेश नीति की धमक इस कारण से बनी हुई थी कि वह गुट निरपेक्ष आंदोलन का प्रणेता था, वैश्विक शक्तियों के सामने नवोदित देशों को स मान के साथ खड़े होने का आदर्श उसने पेश किया और तीसरी दुनिया के देश भारत को बड़े भाई की तरह देखते थे। पाकिस्तान के साथ तो भारत के रिश्ते हमेशा नरम-गरम रहे, लेकिन पाकिस्तान से अलग हुए बांग्लादेश, पड़ोसी देश नेपाल, भूटान, श्रीलंका, यांमार सब पर भारत का रसूख बना हुआ था, जो अब लगभग खत्म हो चुका है। इन सब देशों के साथ संबंध अभी सामान्य हैं, लेकिन जो गर्माहट पहले हुआ करती थी, वो मोदी सरकार के आने के बाद खत्म हो गई है। खास तौर पर बांग्लादेश के साथ तो हमेशा से एक अपनापा रहा है। वहां का मुक्ति संग्राम भारत के कारण सफल हुआ। दोनों देशों का राष्ट्रगान रवीन्द्रनाथ टैगोर ने लिखा है, इस बात पर भी नागरिकों को खुशी होती थी। दोनों देश पाकिस्तान की सैन्य तानाशाही के नुकसान देख चुके हैं। इसके अलावा अविभाजित भारत का हिस्सा होने के कारण सांस्कृतिक, भाषायी, धार्मिक इतिहास की साझेदारी भी रही है। लेकिन अब वही बांग्लादेश भारत को न केवल तोड़ने की धमकी दे रहा है, बल्कि खुलकर पाकिस्तान और चीन के साथ जाते हुए भारत के योगदान की अवहेलना भी कर रहा है। भारत ने बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज़ हमिदुल्लाह को तलब कर ढाका में भारतीय उच्चायोग की सुरक्षा को लेकर अपनी चिंता जताई थी। इसी पर बांग्लादेश की नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के सदर्न चीफ़ ऑर्गेनाइजर हसनत अब्दुल्लाह ने कहा कि भारत के उच्चायुक्त को देश से बाहर निकाल देना चाहिए था। इससे पहले अब्दुल्लाह भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को अलग करने की धमकी दे चुके हैं। बता दें कि दो महीने में यानी फरवरी 2026 में बांग्लादेश में आम चुनाव होंगे और एनसीपी ने हसनत अब्दुल्लाह को कुमिल्ला-4 से उ मीदवार बनाया है। इसी कुमिल्ला में अब्दुल्लाह ने भारत विरोधी बातें कहीं, उन्होंने कहा कि भारत के उच्चायुक्त को देश से बाहर निकाल देना चाहिए था क्योंकि वह शेख़ हसीना को शरण दे रहा है। हम आपका स मान करें और आप देखते ही गोली मारने की बात करो, ये सही नहीं है। भारत के विदेश मंत्रालय ने इस पर प्रतिक्रिया दी है कि बांग्लादेश में हाल की कुछ घटनाओं को लेकर कट्टरपंथी तत्वों के झूठे विमर्श को हम पूरी तरह से ख़ारिज करते हैं। हसनत जैसे चरमपंथी और हिंसक विचारधारा वाले लोग और उनके समर्थक अब मोह मद यूनुस को समर्थन देने वाली एकमात्र वास्तविक शक्ति बन गए हैं। जिस देश में यूनुस के नेता सार्वजनिक रैलियों में खुलेआम यह कह सकते हैं कि वे एक पड़ोसी देश के उच्चायुक्त को बाहर निकाल देंगे, वहां यह स्पष्ट है कि आम लोग दिन-रात ख़ुद को कितना असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ऐसे बांग्लादेश में आम नागरिक अब न तो अपने जीवन को लेकर सुरक्षित महसूस करते हैं और न ही अपनी संपत्ति को लेकर यह कठोर वास्तविकता देश में क़ानून-व्यवस्था और राजनीतिक संयम के पूरी तरह ढह जाने को उजागर करती है। इधर भारत में शरणागत बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख़ हसीना के बेटे सजीब वाज़ीद जॉय ने इंडियन एक्सप्रेस को दिए ईमेल इंटरव्यू में कहा है कि मोह मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार एक इस्लामी शासन स्थापित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि बांग्लादेश में जो अभी स्थिति है, वह भारत के लिए ख़तरा बढ़ा रही है। अमेरिका में रहने वाले वाज़ीद ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से पाकिस्तान की बढ़ती कथित क़रीबी को लेकर इंडियन एक्सप्रेस से कहा, यह भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। हमारी अवामी लीग सरकार ने भारत की पूर्वी सीमाओं को सभी आतंकवादी गतिविधियों से सुरक्षित रखा था।

केरल में बीजेपी-कांग्रेस और लेफ् ट दोनों दोषी

शकील अख़्तर

पूरे देश की तरह केरल में भी भाजपा हिन्दू ध्रुवीकरण की ही राजनीति करती है। मगर केरल में शिक्षा का स्तर बहुत ऊंचा होने देश का सबसे अधिक साक्षर राज्य होने 96 प्रतिशत से अधिक तक के कारण यहां उसकी सा प्रदायिक राजनीति नहीं चलती। लेकिन उस स्थिति में जब देश में धर्मनिरपेक्ष राजनीति के दो प्रमुख दल एक दूसरे पर यह आरोप लगाते हैं कि वे बीजेपी से मिले हुए हैं तो बीजेपी के चेहरे से सा प्रदायिक रंग थोड़ा कम हो जाता है।

केरल में भाजपा की एक नगर निगम में जीत कांग्रेस और ले ट के लिए एक कड़ा सबक है। स्थानीय निकायों के चुनाव में वैसे तो ओवर आल कांग्रेस जीती है, ले ट फ्रंट को झटका लगा है मगर बीजेपी की जीत दोनों के लिए चिंता का एक बड़ा सबब है। कांग्रेस को जीत के बावजूद इसका विश्लेषण करना चाहिए क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर वही बीजेपी के सामने है। और ले ट को इसलिए अब एक मात्र यही राज्य ऐसा बचा है जहां उसकी सरकार है। बंगाल और त्रिपुरा उसके हाथ से चले गए हैं। और हाल फिलहाल वहां वापसी की कोई संभावना नजर नहीं आती है।॰द्यह्यश ऋद्गड्डस्र - 2026 कम तेल कीमतों और कच्चे तेल की अतिरिक्त आपूर्ति का साल होगा अब इस बात पर विचार कि क्या केरल में भाजपा अपनी ताकत के बल पर एक नगर निगम का चुनाव जीती है या कांग्रेस और ले ट के एक दूसरे को मिटाने के लिए किसी भी हद तक जाने का बीजेपी को फायदा मिला है। इन स्थानीय निकाय के चुनावों से पहले 2024 लोकसभा चुनाव ही बड़ा चुनाव हुआ था। और उसमें कांग्रेस और ले ट ने एक दूसरे पर खुल कर बीजेपी को मदद पहुंचाने के आरोप लगाए थे। केरल से पहले राहुल और 2024 में प्रियंका चुनाव लड़ रही थीं और जाहिर है सीधा ले ट के खिलाफ ही तो दोनों कांग्रेस और ले ट के बीच तीखे आरोप प्रत्यारोप हुए। राहुल ने ले ट फ्रंट के मु यमंत्री पिनाराई विजयन पर सीधे बीजेपी से मिले होने का आरोप लगाया था। जिसके जवाब में मु यमंत्री विजयन ने कांग्रेस पर संघ परिवार से मिले होने का आरोप लगा दिया था। जाहिर है कि बीजेपी ने इस स्थिति का पूरा फायदा उठाया और पहली बार केरल से एक लोकसभा सीट निकाल ली। और उसके बाद अब एक नगर निगम भी जीत लिया।

गोवा में चार दिन पूरे देश की तरह केरल में भी भाजपा हिन्दू ध्रुवीकरण की ही राजनीति करती है। मगर केरल में शिक्षा का स्तर बहुत ऊंचा होने देश का सबसे अधिक साक्षर राज्य होने 96 प्रतिशत से अधिक तक के कारण यहां उसकी सा प्रदायिक राजनीति नहीं चलती। लेकिन उस स्थिति में जब देश में धर्मनिरपेक्ष राजनीति के दो प्रमुख दल एक दूसरे पर यह आरोप लगाते हैं कि वे बीजेपी से मिले हुए हैं तो बीजेपी के चेहरे से सा प्रदायिक रंग थोड़ा कम कम हो जाता है। जो पढ़े-लिखे लोग सा प्रदायिकता की वजह से उससे दूर रहते थे वे यह सुनकर कि कांग्रेस उसकी मदद करती है ले ट उसकी मदद करता है पास आकर यह देखने लगते हैं कि क्या वाकई कोई धर्मनिरपेक्ष दल या फ्रंट उसका साथ दे रहा है।

बीजेपी और संघ के कई चेहरे हैं। वह जहां जरूरत होती है इस तरह दिखाती है कि वह किसी के खिलाफ नहीं है। बल्कि और आगे जाकर सबसे ज्यादा हमदर्द भी दिखाने की कोशिश करने लगती है। इसी से उसको फायदा होता है और ज मू-कश्मीर से लेकर बंगाल और केरल तक वह जगह बनाने लगती है। आज के समय में सारे विपक्षी दलों को यह सोचना चाहिए कि वोट चोरी से लेकर आम जनता की परेशानियों के जितने सवाल हैं उनका कारण मोदी की सा प्रदायिक राजनीति के अलावा क्या कोई और भी हो सकता है।

सब इसी निष्कर्ष पर पहुंचेंगे कि जब तक मोदी है चुनाव आयोग इसी तरह चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं होने देगा। इसी तरह महंगाई और बेरोजगारी के सवाल हिन्दू-मुस्लिम राजनीति के नीचे दबे रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी का एकमात्र उद्देश्य है सत्ता में बने रहना। विपक्षी दल जब अपनी आपसी लड़ाई छोड़कर एक साथ आते हैं तो मोदी के लिए जीतना मुश्किल हो जाता है। 2024 में इंडिया गठबंधन के एक होकर लड़ने से ही भाजपा 240 पर रुक पाई। सरकार बनाने के लिए उसे चन्द्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार पर निर्भर होना पड़ा। और एक बार जब सरकार बन गई तो फिर प्रधानमंत्री मोदी ने उसके बाद होने वाले सभी विधानसभा चुनावों में वोट चोरी को अपना प्रमुख हथियार बना लिया। हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र सभी जगह विपक्ष ने वोट चोरी के ठोस सबूत पेश किए। मगर चुनाव आयोग क्यों मानता? उसी के खिलाफ तो सारा मामला है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी साफ कह रहे हैं कि छोड़ूंगा नहीं। इसलिए सिर्फ चुनाव आयोग ही नहीं गोदी मीडिया सहित बाकी जितनी भी संस्थाएं पक्षपातपूर्ण काम कर रही हैं वे सब वर्तमान सत्ता को बचाने के लिए अपनी पूरी जी जान से लगी हुई हैं। इसलिए केरल में ले ट और कांग्रेस, बंगाल में ममता बनर्जी, ले ट और कांग्रेस सब को सोचना पड़ेगा कि आपस में किस हद तक लड़ना है। क्या इतना कि केरल की तरह भाजपा फायदा उठा ले! अभी जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होना है उनमें केरल और बंगाल ऐसे हैं जहां बीजेपी अपनी सबसे ज्यादा ताकत लगाएगी। और अगर इन दोनों राज्यों में उसका प्रदर्शन अच्छा रहा तो फिर विपक्ष के लिए केन्द्र में या किसी भी राज्य में बीजेपी से लड़ना और मुश्किल हो जाएगा।

केरल की तरह बंगाल में भी ले ट, तृणमूल और कांग्रेस एक दूसरे पर भाजपा को मदद पहुंचाने का आरोप लगाते हैं। भाजपा इससे खुश होती है और फायदा निकालती है। भाजपा के लिए वैचारिक पवित्रता का कोई मतलब नहीं है। ले ट से और कांग्रेस से मिलने की बात तो कोई मायने ही नहीं रखती उसने तो 1941 में मुस्लिम लीग के साथ मिलकर सरकार बनाई थी। नार्थ फ्रंटियर, बंगाल और सिंध में हिन्दू महासभा और मुस्लिम लीग मिलकर सरकार चला रहे थे। जनसंघ (भाजपा का पूर्व नाम) का गठन करने वाले श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंगाल में मुस्लिम लीग के साथ मंत्री थे। ले ट के साथ तो उसने अभी अन्ना आंदोलन में उससे पहले वीपी सिंह के आंदोलन में और फिर सरकार में और उससे भी पहले जेपी के आंदोलन में साथ किया था। जब मायावती की राजनीति अपने शिखर पर थी और तिलक तराजू और तलवार इनको मारो... जैसे नारे चल रहे थे तो संघ के नेता कांग्रेस के साथ मिलकर मायावती और मुलायम से लड़ने की बातें करते थे। इसलिए बीजेपी सत्ता के लिए किसी के भी साथ जा सकती है।

सत्ता में बने रहने के लिए कोई भी समझौता कर सकती है। मगर गरीब जनता, आम लोगों के बारे में कभी भी नहीं सोच सकती। वह पहले व्यापारियों की पार्टी थी। और अब मोदी ने उसे कारपोरेट की पार्टी बना दिया। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने चुनाव आयोग के आंकड़े निकालकर चुनाव सुधार पर हो रही बहस में राज्यसभा में यह बताकर हड़क प मचा दिया कि भाजपा के खजाने में आज दस हजार करोड़ से ज्यादा की रकम है। सोच लीजिए कि इस तरह दस हजार करोड़ रुपए की पार्टी क्या किसी भी कीमत पर सत्ता से बाहर जाना चाहेगी। कभी नहीं। क्योंकि इसका एक दूसरा पहलू भी है कि अब कांग्रेस या विपक्ष 2004 जैसी उदारता नहीं बरत सकता। उस समय सरकार बनाने के बाद यूपीए ने किसी विपक्षी नेता के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। गुजरात दंगों पर भी नहीं। स्नूपिंग कांड में यहां तक कह दिया कि इसकी जांच के लिए हमें कोई जज नहीं मिल रहा है। आपको मालूम होगा कि स्नूपिंग कांड मोदी के खिलाफ था। उत्तर प्रदेश के मु यमंत्री योगी को भी लोकसभा में यूपीए की सरकार ने अभयदान दिया था। जब रोते हुए योगी ने कहा था कि उनका एनकाउंटर करवाया जा सकता है। तब तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने यह नहीं कहा था कि नथिंग विल गो आन रिकार्ड बल्कि स ती से कहा था कि योगी को पूरी सुरक्षा दी जाए। यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी सहित प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भी। मगर 2014 में सरकार आने के बाद मोदी ने निवर्तमान प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के घर सीबीआई पहुंचा दी थी। बाकी सोनिया से लेकर राहुल तक ईडी की घंटों पूछताछ, मुकदमों की लंबी लिस्ट है। कितने विपक्षी नेता गिर तार हुए छापे पड़े इसकी कोई गिनती तक नहीं कर सकता। छोटे बड़े हर नेता पर विद्वेषपूर्ण कार्रवाई हुई। इसलिए अब अगर कांग्रेस या विपक्ष अपनी पुरानी भलमनसाहत के तहत सदाशयतापूर्ण व्यवहार करेगा तो उनके कार्यकर्ताओं में ही विद्रोह हो जाएगा। क्योंकि सब सताए हुए हैं। राजनीतिक प्रतिशोध का शिकार बने हैं।

सर्वाधिक असमानता वाले देशों की श्रेणी में बना हुआ है भारत

डॉ. ज्ञान पाठक

वर्ल्ड इनइक्वैलिटी लैब ने असमानता को मापने का आधार आय को बनाया, न कि खपत को। ऐसा करने में वे ही सही हैं। मु त अनाज, दवाएं, शिक्षा, या सब्सिडी वाली चीजें किसी गरीब को अमीर नहीं बनातीं, बल्कि सिर्फ उनकी जिंदगी के दुख को थोड़ा और सहने लायक बनाती हैं। इससे गरीब और अमीर के बीच असमानता खत्म नहीं होती। जुलाई 2025 में केंद्र सरकार ने यह दावा किया था कि भारत दुनिया के चौथे सबसे ज़्यादा समान देशों में से एक है, लेकिन इसके सिर्फ पांच महीने बाद ही वर्ल्ड इनइक्वैलिटी रिपोर्ट 2026 में पाया गया है कि असमानता में भारत दुनिया में सबसे ज़्यादा असमानता वाले देशों की श्रेणी में बना हुआ है।

इतना ही नहीं, हाल के सालों में इस मामले में बहुत कम सुधार देखा गया है। वर्ल्ड इनइक्वैलिटी लैब द्वारा जारी वर्ल्ड इनइक्वैलिटी रिपोर्ट 2026 में कहा गया है, %सबसे ज़्यादा कमाई करने वाले 10प्रतिशत लोग राष्ट्रीय आय का लगभग 58प्रतिशत हिस्सा लेते हैं, जबकि नीचे के 50प्रतिशत लोगों को सिर्फ 15प्रतिशत मिलता है। धन की असमानता और भी ज़्यादा है, जिसमें सबसे अमीर 10प्रतिशत लोगों के पास कुल संपत्ति का लगभग 65प्रतिशत और शीर्ष 1प्रतिशत लोगों के पास लगभग 40प्रतिशत है। 2014 और 2024 के बीच शीर्ष 10प्रतिशत और नीचे के 50प्रतिशत के बीच आय का अंतर स्थिर रहा। प्रति व्यक्ति औसत वार्षिक आय परचेजिंग पावरपैरिटी (पीपीपी) के आधार पर लगभग 6,200 यूरो है, और औसत संपत्ति लगभग 28,000 यूरो। महिला श्रम भागीदारी 15.7प्रतिशत पर बहुत नीचे के स्तर पर बनी हुई है, जो पिछले एक दशक में कोई सुधार नहीं दिखाती है। कुल मिलाकर, भारत में असमानता आय, धन और लिंग के आयामों में गहराई से जमी हुई है, जो अर्थव्यवस्था के भीतर लगातार संरचनात्मक विभाजन को उजागर करती है।' जुलाई में भारत सरकार के प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की विज्ञप्ति में कहा गया था कि भारत दुनिया का चौथा सबसे ज़्यादा समान देश है। यह दावा भारत सरकार के कई मंत्रियों और सत्तारूढ़ भाजपा नेताओं ने सोशल मीडिया पर साझा किया था। आधिकारिक सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया था कि भारत का गिनी इंडेक्स 25.5 (2022 के आंकड़ों के अनुसार) है, जो इसे मध्यम रूप से कम असमानता श्रेणी में रखता है और इसे अमेरिका (41.8) और चीन (35.7) जैसी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बाद, विश्व स्तर पर चौथा सबसे समान देश बनाता है।

वर्ल्ड बैंक की स्प्रिंग 2025पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ पर आधारित था, जिसने गिनी गुणांक की गणना के लिए आय के आंकड़ों के बजाय उपभोग के आंकड़ों का इस्तेमाल किया था। खपत पर आधारित गिनी इंडेक्स आमतौर पर आय पर आधारित इंडेक्स की तुलना में असमानता की बेहतर तस्वीर दिखाता है। संक्षेप में, यह आंकड़ों की हेराफेरी थी। यह ध्यान रखना चाहिए कि भारत 80 करोड़ से ज़्यादा लोगों को मु त अनाज देकर खाना खिलाता है, और कई अन्य सुविधाएं प्रदान करता है, जैसे मु त चिकित्सा, शिक्षा, और सब्सिडी वाले उत्पाद और सेवाएं।

इस सबको जोड़कर यह दिखाया गया कि खपत में कैसे सुधार हुआ है। यह आंकड़ों की कलाबाजी है जिसके आधार पर दवा किया गया कि उपभोग या खपत के मामले में धनियों और गरीबों के बीच असमानता कम हो गयी है। यही आंकड़ों की हेराफेरी है जो गरीबों की आय को नहीं बल्कि उसकी खपत, जिसका अधिकांश हिस्सा उसे दी गयी राहतें थीं, को आधार बना रही थी। फिर सरकार ने आईएलओ और वर्ल्ड बैंक जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों पर दबाव डाला कि वे असमानता को मापने के लिए अपनी रिपोर्ट का आधार खपत को ही बनाएं, वास्तविक आय को नहीं।

इसी खपत के आधार पर, वर्ल्ड बैंक ने भारत को दुनिया का चौथा सबसे समान देश बताया।

हालांकि, वर्ल्ड इनइक्वैलिटी लैब ने असमानता को मापने का आधार आय को बनाया, न कि खपत को। ऐसा करने में वे ही सही हैं। मु त अनाज, दवाएं, शिक्षा, या सब्सिडी वाली चीजें किसी गरीब को अमीर नहीं बनातीं, बल्कि सिर्फ उनकी ज़िंदगी के दुख को थोड़ा और सहने लायक बनाती हैं। इससे गरीब और अमीर के बीच असमानता खत्म नहीं होती। गरीब गरीब ही रहे, और अमीर और अमीर होते गए, जैसा कि आंकड़े दिखाते हैं। इसलिए, लोगों के बीच असमानता को मापने का आधार आय ही होनी चाहिए। जुलाई में मोदी सरकार के दावे को विपक्षी पार्टियों और अर्थशास्त्रियों से बौद्धिक रूप से बेईमान और धोखाधड़ी बताते हुए उसकी काफी आलोचना की थी। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया था कि खपत के आंकड़े का इस्तेमाल गुमराह करने वाला हो सकता है, क्योंकि आय का आधार आमतौर पर खपत की तुलना में असमानता की तस्वीर को बहुत ही व्यापक रूप से बदलती है। बहुत अमीर लोगों के बीच के आंकड़े ऐसे सर्वे में पूरी तरह से शामिल नहीं किया जा सकता। उस समय भी यह बताया गया था कि अगर आय के आधार पर मापा जाए तो भारत दुनिया में असमानता के मामले में 216 देशों में से लगभग 176वें स्थान पर होता। वर्ल्ड इनइक्वैलिटी रिपोर्ट 2026 कहती है कि 1980 में, वैश्विक अभिजात वर्ग मु य रूप से उत्तरी अमेरिका और ओशिनिया और यूरोप में केंद्रित था, जो मिलकर दुनिया के शीर्ष आय समूहों का अधिकांश हिस्सा थे। लैटिन अमेरिका की भी शीर्ष के पास कुछ उपस्थिति थी, लेकिन चीन और भारत लगभग पूरी तरह से वितरण के निचले आधे हिस्से तक ही सीमित थे। उस समय, वैश्विक अभिजात वर्ग में चीन की वस्तुत- कोई उपस्थिति नहीं थी, जबकि भारत, सामान्य रूप से एशिया, और उप-सहारा अफ्रीका आदि के साथ बहुत नीचे था। 2025 तक, तस्वीर काफी अलग दिखती है। चीन की स्थिति ऊपर उठी है- उसकी ज़्यादातर आबादी बीच के 40प्रतिशत में आ गई है, और एक बढ़ता हुआ हिस्सा ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन के ऊपरी-मध्य सेगमेंट में शामिल हो गया है। यह बात दूसरे एशियाई देशों पर भी लागू होती है। इसके उलट, भारत की स्थिति खराब हुई है- 1980 में, उसकी आबादी का एक बड़ा हिस्सा बीच के 40प्रतिशत में था, लेकिन आज यह नीचे के 50प्रतिशत में है। भारत का मध्यम वर्ग निचले स्तर पर ही बना हुआ है, जबकि चीन का हिस्सा बड़ा हो गया है। डब्ल्यूआईआर 2026 आंकड़ों को ऐतिहासिक नज़रिए से देखता है जो दिखाता है कि 100,000 से कम आबादी वाले बहुत छोटे देशों ने 1970 से लगातार दुनिया के औसत से काफी ज़्यादा प्रति व्यक्ति आय दर्ज की है, और उनका सापेक्ष फायदा बढ़ा है। समय के साथ यह अंतर बढ़ता गया है। 2024 तक, उनकी आय वैश्विक औसत से लगभग चार गुना हो गई है। इसके उलट, दुनिया के औसत से लगातार कम आय वाले देशों की श्रेणी में सबसे बड़ी आबादी वाले देश चीन और भारत हैं। नतीजों में यह विविधता दिखाती है कि असमानता राष्ट्रीय संदर्भों के साथ कैसे जुड़ी रहती है। रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया कि भारत में जाति और धार्मिक पहचान आय और शिक्षा के बंटवारे के साथ काफी हद तक मेल खाती है। भारत में सबसे ऊपर के 1 प्रतिशत लोगों की औसत आय 140,649 यूरो है, जबकि उनकी औसत संपत्ति 1,128,435 यूरो, जबकि नीचे के 50 प्रतिशत लोगों की आय और स पत्ति क्रमश- सिर्फ 940 यूरो और 1801 यूरो।

विविध समाचार

शहरी क्षेत्र में घरों के जल व मल से नदियां हो रही हैं प्रदूषित, निगम जिमेवार

धनबाद ०२/०१ (संवाददाता): दामोदर बचाओ आंदोलन के संस्थापक सह जमशेदपुर के विधायक सरयू राय ने शहरी क्षेत्र में नदी व तालाबों के प्रदूषण के लिए नगर निकायों को जिज़्मेवार ठहराया है।

उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र में घरों से निकलने वाला जल व मल नालियों से सीधे नदी व तालाब में जाता है। यह स्थिति केवल धनबाद की नहींए बल्कि पूरे राज्य की हैए और इसका बड़ा कारण सीवरेज.ड्रेनेज सिस्टम का नहीं होना है। सरकार भी इसे लेकर गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि अब शहरी क्षेत्र में सीवरेज सिस्टम को लागू करने के लिए सरकार और नगर विकास विभाग के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा। विधायक सरयू राय रविवार को सर्किट हाउस में मीडिया से बात कर रहे थे। वे पूर्यावरण दिवस पर दामोदर नद समीक्षा यात्रा में शामिल होने रविवार को धनबाद आए थे।

उन्होंने कहा कि पंचेत का पानी पूरी तरह पीने योग्य हैए लेकिन दामोदर का पानी पीने योग्य नहीं है। जामाडोबा व कांड्रा में सीधे नालियों का गंदा पानी आता है। इसी पानी को फिल्टर कर घरों में सप्लाई किया जाता है। उन्होंने कहा कि संस्था के आंदोलन के कारण अब कोल कंपनियों का कचरा नदियों में नहीं गिर रहा है।

पुलिस ने डेढ़ वर्षों से परिवार से बिछड़े विक्षिप्त को परिजन से मिलाया

खूंटी ०२/०१ (संवाददाता):कानून व्यवस्था लागू करने में भले भी पुलिस सज़्त रवैया अपनाती है। पुलिस सिर्फ लाठियां ही नही भांजती बल्कि परिवार में खुशियां भी लौटाती है। इसका ताजा उदाहरण खूंटी थाना में मंगलवार को देखने को मिला है। खूंटी थाना के एक सब इंस्पेज़्टर विश्वजीत ठाकुर ने डेढ़ वर्षों से परिवार से बिछड़े एक विछिप्त को उसके परिजनों से मिलवाया है।

वर्षों बाद परिजनों से मिलने के बाद विछिप्त समेत उसकी मां एवं बहन ने सब इंस्पेज़्टर विश्वजीत ठाकुर एवं खूंटी पुलिस को दुआओं से नवाजा है। मंगलवार को खूंटी पुलिस ने डेढ़ वर्ष से खूंटी की गलियों में भटक रहे मदन राय को खूंटी थाना प्रभारी पिंकू कुमार यादवए सब इंस्पेज़्टर

विश्वजीत ठाकुर ने मंगलवार को बंगाल के नदिया जिला अंतर्गत तातला बाजार निवासी मदन राय को डेढ़ वर्ष के बाद उनके परिजनों से मिलवाया। मदन राय को परिजनों को सौंपा।

इस संबंध में सब इंस्पेज़्टर विश्वजीत ठाकुर ने बताया कि 22 मई को कर्रा रोड में गश्ती के दौरान उनकी नजर नाली में पड़े एक व्यक्ति पर गईए जिन्हें कुछ बच्चे तंग कर रहे थे। यह देख वे वहां रुके एवं अपने पुलिस के जवानों के सहयोग से उन्हें नाली से बाहर निकालकर पानी से नहलवाया।

पास की दुकान से खाने का सामान भी खरीदकर दिया। बातचीत के दौरान विछिप्त ने अपना नाम मदन राय बताया। इसके बाद कई दिनों तक सब इंस्पेज़्टर विश्वजीत ने विछिप्त से संपर्क बनाए रखा। कुछ दिनों के बाद विश्वास जितने पर मदन ने अपना नाम एवं पता बताया।

पता जानने के बाद सब इंस्पेज़्टर ने बंगाल के कृष्णानगर जिले के एसपी से संपर्क साधा एवं खूंटी में मिले उस विछिप्त की जानकारी दी। दो तीन दिनों के बाद कृष्णानगर से गुमशुदा हुए एक व्यक्ति की जानकारी मिली जिसकी हुलिया मदन राय से मिलती थी। इसके बाद बंगाल पुलिस की सूचना पर मदन राय की मां कल्पना राय एवं बहन पारुल राय सोमवार को खूंटी पहुंच खूंटी थाना से संपर्क किया। जिसके बाद एक मां को उसके बिछड़े बेटे से मिलवाया गया। मौके पर खुशी से अभिभूत मदन राय की मां कल्पना राय ने बताया कि डेढ़ वर्ष पहले दिमागी रूप से कमजोर मदन काम की तलाश में घर से निकला था। उसके बाद कभी घर नहीं लौटा।

सदर अस्पताल में ऑपरेशन से मिला नया जीवन

रांची ०२/०१ (संवाददाता):सदर अस्पताल में पहली बार पीडियाट्रिक सर्जरी हुई। 8 माह के बच्चे विनय के पेशाब के रास्ते में परेशानी थीए ज़्योंकि स्किन सटा हुआ था। उसे पेशाब करने में काफी परेशानी होती थी। ज्यादा जोर लगाने पर कभी.कभी पेशाब के रास्ते खून आने लगता था।

दर्द की वजह से उसे हमेशा बुखार हो जाता था। परिजन बच्चे को लेकर सदर अस्पताल पहुंचेए जहां पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग में डॉ इमरान ने बच्चे की जांच की। जांच में पता चला कि बच्चे की सर्कमसीजन के बाद लिंग की झिल्ली को चमड़े से अलग करना होगा।

उन्होंने मंगलवार को सर्जरी कर झिल्ली को स्किन से अलग कर दिया। ऑपरेशन के बाद बच्चे को राहत मिली और उसे छुट्टी भी दे दी गई।डॉ इमरान उन दो डॉज़्टरों में से एक हैंए जिनसे अस्पताल प्रबंधन ने एक महीने पहले पीडियाट्रिक सर्जरी के लिए एमओयू किया था। दैनिक भास्कर ने 25 मई के अंक में खबर छापी थी कि एक जून से सदर अस्पताल में छोटे बच्चों की जटिल सर्जरी शुरू हो जाएगी। डॉ इमरान ने बताया.समय पर ऑपरेशन नहीं किया जाताए तो खराब हो सकती थीं किडनियां

डॉ इमरान ने बताया कि बच्चे को पेशाब यूरिन करने में हो रही समस्या से जल्द निजात नहीं दिलाया जाताए तो उसकी किडनियां खराब हो सकती थीं। ज़्योंकि यूरिन के लिए जोर लगाने के कारण बैक प्रेशर से इंफेज़्शन का खतरा था। इंफेज़्शन किडनी तक फैल सकता था। उन्होंने बताया कि यूरिन इंफेज़्शन के कारण बुखार और हाईजिन की समस्या हो जाती थी।

डॉ इमरान ने बताया कि आठ माह के सामान्य बच्चे का वजन कम से कम 9 से 10 किलो होना चाहिए। लेकिन विनय का वजन मात्र 4 किलो है। यूरिन न होने और बार.बार बुखार आने से उसका शारीरिक विकास नहीं हो पा रहा था। बच्चे का ऑपरेशन आयुष्मान भारत योजना के तहत बिल्कुल निरूशुल्क किया गया। प्राइवेट अस्पताल में सिर्फ ऑपरेशन शुल्क के रूप में 40.50 हजार खर्च करने पड़ सकते थे।

पीडियाट्रिक सर्जरी के साथ सुपरस्पेशियलिटी यूरोलॉजी के लिए भी तीन चिकित्सकों से अस्पताल प्रबंधन का करार हुआ था। सप्ताह में हर तीसरे दिन एक.एक यूरोलॉजिस्ट ओपीडी में सेवा दे रहे हैं। यूरोलॉजी सर्जरी के लिए नई मशीनें लगाई जा रही हैं।

आज का राशिफल

मेष – आज के दिन धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृज़ियाँ विशेष रहेंगी। मन में द्विधा रहने से ठोस निर्णय नहीं ले सकेंगे। पैसे की लेन-देन या आर्थिक व्यवहार न करने की गणेशजी की सलाह है।

वृषभ – गणेशजी कहते हैं कि व्यापार में वृद्धि होने के साथ व्यापार के सज़्बंध में सौदे लाभदायक साबित होंगे। आय के साधनों में वृद्धि होगी। बुजुर्गों तथा मित्र मंडल से लाभ और सुखद क्षणों का अनुभव मिलेगा।

मिथुन – शारीरिक और मानसिक सुख बने रहेंगे। नौकरी – व्यवसाय में आपके परिश्रम का मुआवजा मिलता हुआ प्रतीत होगा। अधिकारी वर्ग के प्रोत्साहन से आपका उत्साह बढ़ेगा। सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क – गणेशजी कहते हैं कि आज आपकी भाग्य वृद्धि के साथ आकस्मिक धन लाभ होगा। विदेश जाने के इच्छुक लोगों के प्रयास सफल होंगे। तथा विदेश से अच्छे समाचार आएँगे।

सिंह – आज आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना रहेगा। तबीयत के पीछे धन खर्च होने की संभावना है। निषेधात्मक विचार आपको गलत मार्ग पर न ले जाए, उसका ध्यान रखने के लिए गणेशजी कहते हैं।

कन्या – गणेशजी की कृपा से दांपत्यजीवन के सुखद क्षणों का अनुभव करेंगे। सामाजिक और सार्वजनिक क्षेत्र में आप ज़्याति और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। मनोरंजन की प्रवृज़ियों में भाग लेंगे। वस्त्राभूषण और वाहन की खरीदी होगी।

तुला – गणेशजी कहते हैं कि सामान्ज रूप से आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और बीमार व्यक्ति के भी तबीयत में सुधार होगा। घर में सुख- शांति के वातावरण में आप समय व्यतीत करेंगे। कार्य में सफलता और यश मिलने से उत्साह बढ़ेगा।

वृश्चिक – आज यात्रा प्रवास का आयोजन न करने की सलाह गणेशजी देते हैं। स्वास्थ्य के सज़्बंध में चिंतित रहेंगे। संतानों के सज़्बंध में समस्याएँ खड़ी होंगी। स्वाभिमान भंग न हो इसका ध्यान रखें।

धनु – गणेशजी कहते हैं कि आज आपको अत्यधिक संवेदनशीलता के कारण और घरेलू मामलों को लेकर मानसिक तनाव खड़े होने की संभावना है। मन में उठनेवाली द्विधाओं से आप मानसिक उचाट अनुभव करेंगे।

मकर – आज आप रणनीति में शत्रुओं को परास्त करेंगे। नए कार्यों के आरंभ के लिए तैयार रहें। सफलता मिलेगी। आप हरेक कार्य तन-मन से स्वस्थ रहकर करेंगे। व्यापार-धंधे में लाभ होगा।

कुंभ – गणेशजी बताते हैं कि मन में द्विधाएँ खड़ी होने से आप कोई ठोस निर्णय पर नहीं पहुँच सकेंगे। महज़्वपूर्ण निर्णय न लें। वाणी पर संयम नहीं रहनेसे पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव होने की संभावना है।

मीन – आनंद- उत्साह और तन-मन की प्रसन्नता आपके दिन में चेतना और स्फूर्ति का संचार करेंगे। नए कार्य हाथ में लेंगे तो उसमें सफलता मिलेगी। धार्मिक मांगलिक प्रसंगों में जाएँगे।

महुआ-आदित्य जाएंगे राज्यसभा, राज्य में तीसरी बार निर्विरोध चुने जाएंगे रास सांसद

रांची ०२/०१ (संवाददाता):राज्यसभा चुनाव में नामांकन के अंतिम दिन मंगलवार को भाजपा प्रत्याशी आदित्य साहू और झामुमो की ओर से महुआ माजी ने पर्चा भरा। इसके साथ ही राज्यसभा चुनाव दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गया है। दो सीटों के लिए हो रहे चुनाव में दो ही उज़्मीदवार मैदान में हैं। ऐसे में एक बार फिर निर्विरोध चुनाव होगा। तीन जून को नाम वापसी के दिन दोनों प्रत्याशियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया जा सकता है। राज्य गठन के बाद यह तीसरा मौका हैए जब राज्यसभा का चुनाव निर्विरोध हो रहा है। इससे पहले 2004 में भाजपा के यशवंत सिन्हा और झामुमो के स्टीफन मरांडी निर्विरोध निर्वाचित हुए थे। वहीं वर्ष 2006 में कांग्रेस के माबेल रिवेलो और भाजपा के एसएस अहलूवालिया निर्विरोध

निर्वाचित होकर राज्यसभा पहुंचे थे। इधरए सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि कांग्रेस के साथ गठबंधन सरकार चलाने के लिए हैए राज्यसभा चुनाव के लिए नहीं। वैसे हर तरह के संशय का जवाब जल्द मिल जाएगा।डॉण् महुआ माजी ने दो सेट में नामांकन दाखिल किया। इस दौरान सीएम हेमंत सोरेन व झामुमो विधायकों के साथ राजद के मंत्री सत्यानंद भोक्ता भी शामिल थे। लेकिन कांग्रेस का कोई भी नेता नहीं था।

झामुमो की महुआ माजी ढाई करोड़ रुपए की संपज़ि की मालकिन हैं।महुआ माजी और उनके पति के पास 19ण्58 लाख रुपए कैश है। महुआ के पास बैंकों में जमाए विज़ीय संस्थानों में निवेश के साथ 1ण्29 करोड़ रुपए के शेयर और ज्वेलरी हैं। वहीं पति ने 27ण्04 लाख रुपए बैंकों व विज़ीय संस्थानों में निवेश कर रखे हैं। महुआ दंपती के नाम रांची के कोनकाए मिसिरगोंदा और टाटीसिल्वे में करीब 12360 वर्गफीट गैर कृषि भूमि है। वहीं महुआ के पास मिसिरगोंदा में 1160 वर्गफीट व्यावसायिक भूमि हैए जिनमें से 600 वर्गफीट पर दुकान हैए जिसकी कीमत 11 लाख रुपए है।आदित्य साहू ने तीन सेट में नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान अर्जुन मुंडा को छोड़कर सभी वरिष्ठ नेता और विधायक मौजूद थे। आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो आदित्य साहू के प्रस्तावक बने।भाजपा प्रत्याशी आदित्य साहू करीब साढ़े तीन करोड़ रुपए की संपज़ि के मालिक हैं। राज्यसभा चुनाव में झामुमो के प्रत्याशी उतारने की घोषणा के बाद प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय मंगलवार को रांची पहुंचे। यहां विधायकों से वन.टू.वन मीटिंग की। शाम में वे मुज़्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलने पहुंचे।सीएम से मुलाकात के बाद उन्होंने कहा.गठबंधन में किसी प्रकार की दूरी नहीं है। महुआ माजी को शुभकामना देते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राज्यसभा में अपना प्रत्याशी इसलिए नहीं दियाए ज़्योंकि हमारे पास संज़्या बल नहीं है।

पाकुड़ में पुलिस ने 5 वाहनों में भरा माल किया जज़्त

पाकुड़ ०२/०१ (संवाददाता):अवैध कोयला कारोबार के खिलाफ पाकुड़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। हिरणपुर थाना पुलिस ने रविवार की देर रात दो स्थानों पर छापेमारी कर 5 वाहनों में भरे कोयले को जज़्त कर लिया है। पुलिस को देखते ही सभी ट्रैज़्टर चालक भाग निकले। कोयला तस्करों ने वाहनों में पहले कोयला भर दिया था। इसे छिपाने के लिए कोयले के ऊपर बालू भर दिया गया था। इससे सामान्य तौर पर यह समझ में नहीं आ रहा था कि वाहनों मे बालू के नीचे कोयला छिपाकर रखा गया था। पुलिस इन वाहन मालिकों का पता लगाने में जुटी है। इनके खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा।

हिरणपुर थाना प्रभारी संतोष कुमार ने सोमवार को मीडिया को बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि तीन ट्रैज़्टर में कोयला लोड कर चालक डांगापाड़ा.मोहनपुर के रास्ते बंगाल की ओर जाने जाने वाले हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मोहनपुर मोड़ के पास पहुंची। पुलिस ने देखा कि डांगापाड़ा की ओर से तीन ट्रैज़्टर आ रहे हैं। चालकों ने दूर से पुलिस को देख लिया। मोड़ पहुंचने के पूर्व ही सभी चालक वाहन छोड़कर भाग निकले।

पुलिस ने जब ट्रैज़्टरों की तलाशी ली तो देखा कि सभी ट्रैज़्टर में कोयला भरा है। उसके ऊपर बालू लोड किया गया है। पुलिस ने तीनों ट्रैज़्टरों को जज़्त कर लिया। इसके बाद पुलिस को पता चला कि कोटालपोखर.हिरणपुर सीमा के पास कोयला डंप कर रखा गया है। पुलिस ने चौड़ा मोड़ के निकट छापेमारी कर डंप कोयला को जज़्त कर लिया। थाना प्रभारी के अनुसार डंप कोयले को दो ट्रैज़्टर में लोड कर थाने लाया गया। पुलिस इस धंधे से जुड़े लोगों का पता लगा रही है। इसके बाद उनपर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

व्यवसायी अशोक जायसवाल और एक अज्ञात व्यक्ति पर थाने में मुकदमा दर्ज

गढ़वा ०२/०१ (संवाददाता):गढ़वा में उत्पाद विभाग के सब इंस्पेज़्टर कुलदीप कुमार ने श्री बंशीधर नगर के प्रसिद्ध व्यवसायी अशोक जायसवाल और एक अज्ञात व्यक्ति पर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने कुलदीप कुमार के आवेदन पर धारा 353ए 34ए 419ए 420ए 504ए 506 के साथ.साथ 66 आईटी एज़्ट के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान में जुट गई है। बताया जाता है कि मामला दर्ज होने के बाद आरोपी भूमिगत हो गए हैं।पुलिस इनकी गिरज़्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। थाने को दिए आवेदन में कुलदीप कुमार ने लिखा है कि अशोक जायसवाल स्वयं को राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर का पीए मनोज झा बताते हुए मोबाइल फोन पर आपज़िजनक गालियां दीं। एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा स्वयं को मंत्री बताते हुए फोन कराया। इसमें श्री बंशीधर नगर से अवैध अंग्रेजी शराब के साथ पकड़े गए विक्रेता युवक को छोड़ने के लिए दबाव बनाया जा रहा था।कुलदीप कुमार के द्वारा पुलिस को आवेदन के साथ.साथ गाली.ग्लौज व बातचीत का ऑडियो ज़िलप प्रमाण के तौर पर सौंपा गया है। उत्पाद विभाग के दारोगा कुलदीप कुमार ने आवेदन में लिखा है .

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार | राउरकेला, शनिवार 03 जनवरी 2026 | पृष्ठ-6

ओडिशा कांग्रेस अध्यक्ष ने चांदबली में बलात्कार और हत्या की शिकार नाबालिग के परिवार से मुलाकात की

भद्रक ०२/०१ (संवाददाता): ओडिशा कांग्रेस अध्यक्ष भक्त चरण दास ने चांदबली में कथित तौर पर बलात्कार और हत्या की शिकार हुई नाबालिग के परिवार वालों से मुलाकात की और राज्य सरकार से 50 लाख रुपये के मुआवजे की मांग की।ओडिशा के चांदबली इलाके में 24 दिसंबर को एक नाबालिग लड़की के साथ कथित तौर पर बलात्कार कर उसकी हत्या कर दी गई ।

शनिवार को एएनआई से बात करते हुए भक्त चरण दास ने कहा कि पीड़ित परिवार तत्काल राहत और अपराधी के लिए मृत्युदंड की मांग कर रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा, मैंने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। परिवार और स्थानीय लोग तत्काल राहत की मांग कर रहे हैं और दोषी को फांसी दी जानी चाहिए। पीड़ित परिवार को पुलिस सुरक्षा दी जानी चाहिए। मुज्यमंत्री ने 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि घोषित की है, जो दी जानी चाहिए। हम 50 लाख रुपये की मांग कर रहे हैं।

एक एज्स पोस्ट में, भक्त चरण दास ने इस मामले में निर्णायक और अनुकरणीय कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि न्याय में देरी या न्याय से इनकार नहीं किया जाना चाहिए। भद्रक के चांदबली में जिस बच्ची के साथ बेरहमी से बलात्कार और हत्या की गई, उसके शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की । मैं दोषियों के लिए कड़ी से कड़ी सजा और परिवार को पर्याप्त मुआवजा देने की पुरजोर मांग करता हूं। न्याय में देरी, उसे कमजोर करना या उससे इनकार करना उचित नहीं है। इस जघन्य अपराध के लिए निर्णायक और अनुकरणीय कार्रवाई की आवश्यकता है, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने लिखा।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) योगेश बहादुर खुराना ने कहा कि पुलिस ने 24 घंटे के भीतर आरोपियों को गिरज़्तार कर लिया और इसे रेड ज़्लैग मामला घोषित कर दिया। चांदबली में एक अमानवीय घटना घटी । पुलिस ने न केवल आरोपी की पहचान की बल्कि 24 घंटे के भीतर उसे गिरज़्तार भी कर लिया। हमने इस मामले को रेड ज़्लैग केस घोषित किया है।

जिला पुलिस को जल्द से जल्द जांच पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद, हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे कि अभियोजन प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी हो ताकि आरोपी को कड़ी सजा मिल सके और समाज को यह संदेश जाए कि ऐसे अपराध करने वालों को बज़्शा नहीं जाएगा, पुलिस अधिकारी ने कहा।

आरएसपी के सिन्टरिंग प्लांट के कर्मचारी सेल 'शाबाश योजना' के तहत उत्कृष्ट प्रयासों के लिए समानित

राउरकेला ०२/०१ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के सिन्टसरिंग प्लांट-3 (एसपी-3) विभाग में एक विशेष पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेल की 'शाबाश योजना' के अंतर्गत कर्मचारियों एवं अधिकारियों को उनके उत्कृष्ट एवं नवाचारी योगदान के लिए सज़्मानित किया गया। मुज़्य महाप्रबंधक (सिन्टर), श्री शेखर नारायण ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और कर्मचारियों एवं अधिकारियों को पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रभारी (सिन्टररिंग प्लांट-2), श्री संतोष कुमार पाढ़ी, महाप्रबंधक प्रभारी (सिन्ट रिंग प्लांट-3), श्री कल्याण समाजदार तथा महाप्रबंधक प्रभारी (सिन्ट रिंग प्लांट-1), श्री शुभ्रांशु चक्रवर्ती, के साथ-साथ एसपी-1, एसपी-2 एवं एसपी-3 के अनुभाग प्रमुख एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

श्री नारायण ने सिंटरिंग प्लांटों के सुधार और दक्षता में महत्वपूर्ण योगदान देनेवाले पुरस्कार विजेताओं के अनुकरणीय प्रदर्शन और नवोन्मेषी प्रयासों की सराहना की।

पुरस्कार प्राप्त करने वालों में सिन्टवर प्लांट-1, सिन्टरर प्लांट-2 तथा सिन्टरर प्लांट-3 से दो-दो कर्मचारी/अधिकारी शामिल थे। इसके अतिरिक्त सीएमएम [आरसी (एम)], डिजाइन, एमएसएस एवं शॉप्स (मैकेनिकल) से चार कर्मचारी/अधिकारी भी सिन्ट रिंग प्लांटों के लिए उनके सराहनीय योगदान के लिए सज़्मानित किए गए।

कार्यक्रम का समन्वय प्रबंधक (सिन्ट रिंग प्लांट-2), श्री संदीप अवस्थी द्वारा किया गया।

टिंबर माफिया ने वन विभाग से जज़्त गाड़ी छीन ली

बालासोर ०२/०१ (संवाददाता): ओडिशा के बालासोर जिले में शनिवार रात को कथित तौर पर लकड़ी माफिया ने वन विभाग के कर्मचारियों से जज़्त लकड़ी से भरा एक वाहन छीन लिया और एक सरकारी वाहन को नुकसान पहुंचाया, जिससे संगठित लकड़ी तस्करी और फ्रंटलाइन वन कर्मचारियों पर हमलों को लेकर बढ़ती चिंताएं सामने आई हैं। यह घटना पीठाहाटा पंचायत के सिमिलिगुडा इलाके में हुई, जहां नीलगिरी वन प्रभाग ने लकड़ी से लदे एक वाहन को जज़्त करने के लिए कार्रवाई की थी। वन अधिकारियों के अनुसार, रिपोर्टिंग के समय बेरहामपुर पुलिस स्टेशन में एक लिखित शिकायत दर्ज कराने की तैयारी थी। वाहन जज़्ती अभियान बालासोर के वन रेंजर मनुवर खान ने बताया कि वन विभाग ने लकड़ी से लदे एक वाहन के बारे में मिली खास जानकारी पर कार्रवाई की। खान ने कहा, हमें सूचना मिली थी कि लकड़ी से लदा एक वाहन पलट गया है, जिसके बाद मैंने अपने कर्मचारियों को मौके पर पहुंचने का निर्देश दिया और उन्हें बताया कि मैं जल्द ही बालासोर से पहुंचूंगा। उन्होंने आगे कहा, हालांकि, मौके पर पहुंचने पर हमारे कर्मचारियों ने पाया कि वाहन पलटा नहीं था और लकड़ी से लदा खड़ा था। वाहन से जुड़े लोग वन कर्मचारियों को देखकर भाग गए।जब वन कर्मचारियों ने वाहन को जज़्त करने की कोशिश की तो स्थिति बिगड़ गई। रेंजर के अनुसार, लकड़ी माफिया के सदस्यों का एक समूह मौके पर इकट्ठा हो गया और कर्मचारियों से भिड़ गया। खान ने कहा, जब हमारे कर्मचारियों ने वाहन और लकड़ी को जज़्त करने की कोशिश की, तो लकड़ी माफिया ने उन्हें एक समूह में घेर लिया। उन्होंने कर्मचारियों पर चिल्लाया और जब वन कर्मचारियों ने घटना का वीडियो बनाने की कोशिश की, तो उन्होंने एक वन गार्ड के हाथ पर हमला किया। उन्होंने आगे बताया कि हमलावरों ने झड़प के दौरान वन विभाग के वाहन का पिछला शीशा भी तोड़ दिया।

शीतलहर जारी, 5 जिलों में घने कोहरे की चेतावनी

भुवनेश्वर ०२/०१ (संवाददाता): क्षेत्रीय मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि ओडिशा में अगले चार दिनों तक भीषण शीत लहर जारी रहेगी। राज्य के कई इलाकों में भीषण ठंड और घना कोहरा छाया हुआ है। घने कोहरे के कारण पिछले 24 घंटों में फूलबानी, राउरकेला और ढेंकनाल में सामान्य जनजीवन और यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इसके अलावा, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के अनुसार, सुंदरगढ़, ढेंकनाल, नयागढ़, कंधमाल और कोरापुट जिले घने कोहरे की चपेट में आ जाएंगे। आईएमडी ने उपर्युक्त पांच जिलों के लिए घने कोहरे की पीली चेतावनी जारी की है। इसके अलावा, घने कोहरे से ओडिशा के तटीय, आंतरिक और दक्षिणी हिस्सों में जनजीवन प्रभावित होगा।

बाघिन जयश्री ने नंदनकानन में 3 शावकों को दिया जन्म

बरंगा ०२/०१ (संवाददाता): भुवनेश्वर के नंदनकानन चिड़ियाघर में शनिवार को सामान्य रंग की बाघिन जयश्री ने तीन शावकों को जन्म दिया। हालांकि, दो शावकों की मृत्यु हो गई और केवल एक ही जीवित बचा है। चिड़ियाघर के पशु चिकित्सक और कर्मचारी शावक की देखभाल कर रहे हैं। चिड़ियाघर अधिकारियों ने बताया कि यह जयश्री का पहला बच्चा है और गर्भावस्था 101 दिनों की रही। चिड़ियाघर के अधिकारियों ने बताया कि चूंकि यह बाघिन का पहला प्रसव था, इसलिए उसमें मातृत्व की भावना की कमी दिखाई दी, जिससे शावकों की देखभाल करने की उसकी क्षमता प्रभावित हुई। बाघिन अपने शावकों को दूध भी नहीं पिला सकी। 34 वर्षीय बाघिन ने पहली बार बच्चे को जन्म दिया है। नए शावक के आगमन के साथ, नंदनकानन में बाघों की संज़्या बढ़कर 29 हो गई है।

राउरकेला अर्ध मैराथन-2026 में पार्श्वांचल गांवों के प्रतिभागियों को शामिल करने हेतु आरएसपी की बहुआयामी पहल

राउरकेला ०२/०१ (संवाददाता): आगामी राउरकेला अर्ध मैराथन-2026 को न केवल राउरकेला शहर बल्कि आसपास के क्षेत्रों के निवासियों के लिए भी एक समावेशी आयोजन बनाने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए, सेल, राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) पार्श्वांचल गांवों की खेल प्रतिभाओं पर विशेष ध्यान दे रहा है। यह पहल मैराथन की थीम 'समृद्धि की दौड़' के अनुरूप है, जो क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का प्रतीक है। अपने सीएसआर विभाग के माध्यम से एक व्यापक अभियान शुरू किया गया है, जिसके तहत विभिन्न गांवों में प्रोमो कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों को ग्रामीण युवाओं एवं ग्रामीणों से उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया मिल रही है। अर्ध मैराथन के लिए प्रतिभागियों के निःशुल्क पंजीकरण के लिए खास कियोस्क लगाए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि, ग्रामीण प्रतिभागियों के लिए पंजीकरण शुल्क माफ कर दिया गया है तथा अर्ध मैराथन के लिए पंजीकरण कराने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को टी-शर्ट भी प्रदान की जा रही है।

प्रोमो रन के दौरान प्रतिभागियों को पेशेवर मैराथन दौड़ से संबंधित उपयोगी जानकारियाँ दी जा रही हैं। इसके साथ ही उन्हें वार्म-अप अज़्यास, सही दौड़ने की मुद्रा, श्वसन तकनीक, गति निर्धारण रणनीतियाँ तथा दौड़ के बाद शारीर शीतलन अज़्यास जैसी आवश्यक तकनीकों का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, जिससे प्रतिभागियों को इस धैर्य आधारित खेल के प्रति अनुशासित एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा मिल रही है।मैराथन के शुभंकर 'पद्मा' और 'राजा' भी कार्यक्रमों के आकर्षण को बढ़ा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि आरएसपी प्रतिभागियों के परिवहन, ठहराव एवं भोजन की विशेष व्यवस्था भी कर रहा है। साथ ही ग्रामीण प्रतिभागियों के लिए विशेष पुरस्कार श्रेणियाँ भी निर्धारित की गई हैं।

गौरतलब है कि, पहली राउरकेला अर्ध मैराथन का आयोजन 24 जनवरी 2026 को किया जाएगा, जिसमें देशभर से 5000 से अधिक धावकों के भाग लेने की उज़्मीद है। अधिक संज़्या में ग्रामीण प्रतिभागियों को शामिल करने का उद्देश्य उनमें कौशल विकास को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मैराथन आयोजनों में भागीदारी के लिए प्रेरित करना है।

भारतीय थल सेना
JOIN INDIAN ARMY AS AN OFFICER
www.joinindianarmy.nic.in

अधिकारी प्रविष्टियां

1. निम्नलिखित कोर्सों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:-
   (क) 67वाँ अल्पसेवा कमीशन (तकनीकी) कोर्स (महिला) अक्तूबर 2026 के लिए।
   (ख) 67वाँ अल्पसेवा कमीशन (तकनीकी) कोर्स (पुरुष) अक्तूबर 2026 के लिए।
2. ऑनलाइन आवेदन निम्नलिखित अवधि तक खुले रहेंगे:-
   (क) अल्पकालिक सेवा कमीशन (तकनीकी) कोर्स-महिला -06 जनवरी से 04 फरवरी 2026
   (ख) अल्पकालिक सेवा कमीशन (तकनीकी) कोर्स- पुरूष -07 जनवरी से 05 फरवरी 2026

OFFICER ENTRIES

1. Applications are invited for the following courses:-
   (a) 67th Short Service Commission (Tech) Women Course Oct. 2026.
   (b) 67th Short Service Commission (Tech) Men Course Oct. 2026.
2. Online applications will open as under:-
   (a) SSC (Tech) Course - Women- 06 Jan to 04 Feb 2026
   (b) SSC (Tech) Course - Men- 07 Jan to 05 Feb 2026

नोट :-
1. सेना में भर्ती पूर्णतया पारदर्शी और मुफ्त है। दलालों से सावधान रहें।
2. विस्तृत नोटिफिकेशन के लिये कृपया www.joinindianarmy.nic.in पर जाएं।

Notes:-
1. Recruitment in the Army is totally transparent and free. Beware of touts.
2. For detailed Notification, please visit www.joinindianarmy.nic.in

CBC 10601/11/0064/2526